www.railsamacharbureau.com

सम्पूर्ण भारतीय रेल जगत का प्रथम पाक्षिक, प्रयागराज से प्रकाशित

# रेल समाचार ब्यूरो

सन् 1990 से रेल सेवा में समर्पित

"भारतीय नववर्ष नई आशाओं, नए संकल्पों और उज्ज्वल भविष्य की शुरुआत का प्रतीक है।"

"रेल समाचार ब्यूरो परिवार की ओर से सभी पाठकों को नवरात्र और भारतीय नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ।"

वर्ष-36 अंक:06 रेल समाचार ब्यूरो प्रयागराज 16-31 मार्च 2026 पृष्ठ 12, मूल्य:20 रु. मात्र. डाक खर्च (रंगीन सहित)

## रेलवे को बड़ा प्रोत्साहन: नई एक्सप्रेस ट्रेन, अमृत भारत स्टेशन उद्घाटन और नई रेल परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित

### प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल, असम, केरल और तमिलनाडु में विभिन्न कार्यक्रमों के दौरान रेलवे विद्युतीकरण, नई रेल सेवाओं, स्टेशन आधुनिकीकरण और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी से जुड़ी परियोजनाओं पर जोर दिया

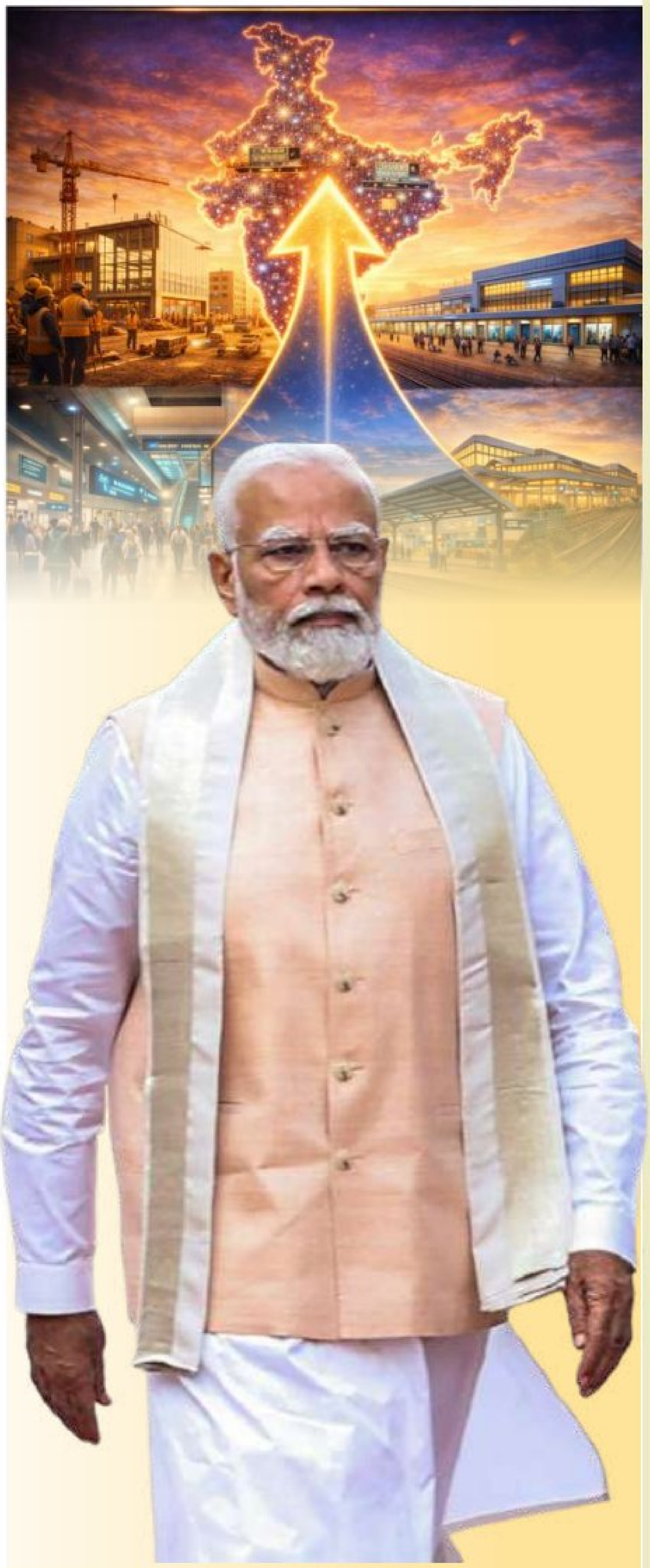

सूत्र/रे.स.ब्यू- प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने हाल के दिनों में पश्चिम बंगाल, असम, केरल और तमिलनाडु में आयोजित कई कार्यक्रमों के दौरान रेलवे अवसंरचना के आधुनिकीकरण, विद्युतीकरण, नई रेल सेवाओं की शुरुआत और स्टेशन पुनर्विकास से जुड़ी महत्वपूर्ण पहलों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से देश में तेज, स्वच्छ और अधिक कुशल रेल परिवहन सुनिश्चित होगा तथा क्षेत्रीय कनेक्टिविटी और आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी। कोलकाता में लगभग 18,680 करोड़ की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं में रेलवे, सड़क और बंदरगाह अवसंरचना से जुड़ी कई महत्वपूर्ण पहलें शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि ये परियोजनाएं न केवल पश्चिम बंगाल बल्कि पूरे पूर्वी भारत के आर्थिक और बुनियादी ढांचे के विकास को नई गति देंगी। रेलवे क्षेत्र में प्रधानमंत्री ने पुरुलिया आनंद विहार टर्मिनल (दिल्ली) एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस नई रेल सेवा से पश्चिम बंगाल, झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के बीच रेल संपर्क मजबूत होगा और यात्रियों को बेहतर परिवहन सुविधा मिलेगी।

प्रधानमंत्री ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित छह रेलवे स्टेशनों कामाख्यागुड़ी, आनारा, तमलुक, हल्दिया, बराभूम और सिउड़ी का उद्घाटन किया। इन स्टेशनों के पुनर्विकास के माध्यम से आधुनिक यात्री सुविधाएं, बेहतर स्टेशन भवन, यात्री प्रतीक्षा क्षेत्र और अन्य आधुनिक व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई गई हैं, जिससे यात्रियों के लिए रेल यात्रा का अनुभव बेहतर होगा।

रेलवे अवसंरचना को मजबूत करने के लिए प्रधानमंत्री ने दो महत्वपूर्ण रेल परियोजनाएं भी राष्ट्र को समर्पित कीं। इनमें बेल्दा और दंतोन के बीच 16 किलोमीटर लंबी तीसरी रेल लाइन तथा कलाइकुंडा और कनिमोहुली के बीच स्वचालित ब्लॉक सिग्नलिंग प्रणाली शामिल है। इन परियोजनाओं से ट्रेनों की आवाजाही की क्षमता बढ़ेगी, सुरक्षा और समयबद्धता में सुधार होगा तथा रेल मार्गों पर भीड़ कम होगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार देशभर में रेलवे के व्यापक आधुनिकीकरण और विस्तार के लिए तेजी से काम कर रही है और पश्चिम बंगाल इस अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि रेलवे अवसंरचना में निवेश से न केवल यात्रियों की सुविधा बढ़ेगी, बल्कि व्यापार, उद्योग और क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति मिलेगी।

#### असम में रेलवे विद्युतीकरण और कनेक्टिविटी विस्तार

गुवाहाटी में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने लगभग 19,480 करोड़ की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। अपने संबोधन में उन्होंने भारतीय रेलवे के तेजी से हो रहे विद्युतीकरण पर विशेष जोर दिया। उन्होंने बताया कि देश का लगभग पूरा रेल नेटवर्क अब बिजली से संचालित मार्गों से जुड़ चुका है और 100 प्रतिशत विद्युतीकरण का लक्ष्य जल्द पूरा होने वाला है। इसके परिणामस्वरूप देश में लगभग 1.75 अरब लीटर डीजल की बचत हो रही है, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ ऊर्जा दक्षता भी बढ़ रही है।

सिलचर में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने 23,550 करोड़ की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करते हुए बताया कि असम के 2,500 किलोमीटर से अधिक रेलवे नेटवर्क का विद्युतीकरण किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि इससे रेल यात्रा तेज और पर्यावरण के अनुकूल बनेगी तथा बराक घाटी में कनेक्टिविटी मजबूत होगी। बेहतर रेल संपर्क से यह क्षेत्र पश्चिम बंगाल और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों से अधिक प्रभावी रूप से जुड़ेगा और भविष्य में इसे पूर्वोत्तर भारत के एक प्रमुख लॉजिस्टिक्स और व्यापार केंद्र के रूप में विकसित करने में मदद मिलेगी।

#### कोकराझार में रेल संपर्क और नई सेवाओं पर जोर

असम के कोकराझार में प्रधानमंत्री ने 4,570 करोड़ से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में रेल कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए कई पहलें की जा रही हैं। हाल ही में कामाख्या-चारलापल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस और गुवाहाटी-न्यू जलपाईगुड़ी एक्सप्रेस को शुरू किया गया है, जिससे क्षेत्रीय रेल परिवहन को मजबूती मिली है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कोकराझार में वंदे भारत और राजधानी एक्सप्रेस का ठहराव इस क्षेत्र की बढ़ती महत्ता को दर्शाता है। इसके अलावा यहां रेलवे कार्यशाला की स्थापना और भूटान के लिए प्रस्तावित रेल संपर्क से कोकराझार और आसपास का क्षेत्र एक प्रमुख लॉजिस्टिक्स और व्यापार केंद्र के रूप में उभर सकता है।

#### केरल में स्टेशन आधुनिकीकरण और नई ट्रेन सेवा

केरल के एर्नाकुलम (कोच्चि) में लगभग 11,000 करोड़ की विकास परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास के दौरान प्रधानमंत्री ने रेलवे अवसंरचना के आधुनिकीकरण पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत शोरनूर जंक्शन, कुट्टीपुरम और चांगनास्सेरी रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है। इन परियोजनाओं का उद्देश्य स्टेशनों को आधुनिक सुविधाओं से लैस करना और यात्रियों के लिए बेहतर यात्रा अनुभव उपलब्ध कराना है।

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि पलक्कड़-पोल्लाची नई ट्रेन सेवा शुरू होने से केरल और तमिलनाडु के बीच रेल कनेक्टिविटी मजबूत होगी, जिससे यात्रियों को अधिक सुविधाजनक यात्रा विकल्प मिलेगा और क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

#### तमिलनाडु में नई रेल सेवाओं से पर्यटन और व्यापार को बढ़ावा

तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने लगभग 5,650 करोड़ की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने कई नई रेल सेवाओं को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन सेवाओं से नागरकोइल, कोयंबटूर, रामेश्वरम, तिरुनेलवेली, मयिलादुथुराई और कराईकुडी जैसे प्रमुख स्थानों को बेहतर रेल संपर्क मिलेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि नई रेल सेवाओं से पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, स्थानीय व्यापार को गति मिलेगी और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि अमृत भारत कार्यक्रम के तहत तमिलनाडु में आठ रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण और पुनर्विकास किया गया है, जिससे यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि रेलवे और अन्य परिवहन अवसंरचना में निवेश से देश के विभिन्न क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियां तेज हो रही हैं। उनके अनुसार बेहतर रेल कनेक्टिविटी न केवल यात्रियों के लिए सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित करती है, बल्कि व्यापार, पर्यटन और क्षेत्रीय विकास को भी नई दिशा देती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन पहलों से देश के रेल नेटवर्क को और मजबूत आधार मिलेगा और विभिन्न राज्यों के विकास को नई गति प्राप्त होगी।

Scanned with OKEN Scanner

# भारतीय रेलवे में एआई और मशीन लर्निंग का विस्तार, सुरक्षा और संचालन दक्षता को मिल रही नई ताकत

## एआई-संचालित, स्केलेबल नवाचारों को गति देने के लिए रेल प्रौद्योगिकी नीति और पोर्टल विकसित किए जा रहे हैं

सूत्र/पीआईबी- भारतीय रेलवे ने रेल सुरक्षा और परिचालन दक्षता को और मजबूत करने के उद्देश्य से उन्नत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग आधारित स्मार्ट मॉनिटरिंग तकनीकों को अपनाना शुरू कर दिया है। इन आधुनिक प्रणालियों के माध्यम से ट्रैक, रोलिंग स्टॉक और ओवरहेड उपकरणों की निगरानी अधिक सटीक और वास्तविक समय में की जा सकेगी। रेलवे के अनुसंधान डिजाइन एवं मानक संगठन (आरडीएसओ) द्वारा 'त्रि-नेत्र' प्रणाली विकसित की जा रही है। यह प्रणाली विशेष रूप से कोहरे और प्रतिकूल मौसम की स्थिति में लोको पायलटों को बेहतर दृश्यता प्रदान करने में सहायक होगी, जिससे सुरक्षित ट्रेन संचालन सुनिश्चित किया जा सकेगा।

रेलवे ने रोलिंग स्टॉक की स्थिति की निगरानी के लिए भी कई आधुनिक सिस्टम स्थापित किए हैं। पहियों और बियरिंग की स्थिति पर नजर रखने के लिए 24 व्हील इम्पैक्ट लोड डिटेक्टर (WILD) सिस्टम तथा 25 ऑनलाइन मॅनिटरिंग ऑफ रोलिंग स्टॉक (OMRS) सिस्टम लगाए गए हैं। ये सिस्टम ट्रेनों के गुजरने के दौरान पहियों और बियरिंग में आने वाली असामान्यताओं का पता लगाकर समय रहते चेतावनी देते हैं। इसके अलावा, मशीन विजन इंस्पेक्शन सिस्टम (MVIS) को पायलट आधार पर विभिन्न रेलवे जोन में तैनात किया गया है। इनमें पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे में तीन, डीएफसीसीआईएल में दो तथा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में एक सिस्टम लगाया गया है। यह तकनीक ट्रेन के नीचे के हिस्सों का स्वचालित निरीक्षण कर संभावित तकनीकी खामियों की पहचान करने में मदद करती है।

रेलवे ट्रैक की निगरानी को और सशक्त बनाने के लिए एआई आधारित तीन एकीकृत ट्रैक मॉनिटरिंग सिस्टम (ITMS) भी तैनात किए गए हैं। इन प्रणालियों के माध्यम से ट्रैक के विभिन्न घटकों की स्थिति का विश्लेषण कर समय पर रखरखाव की योजना बनाई जा सकेगी। इसी क्रम में, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर डिवीजन में ओवरहेड उपकरणों की ड्रोन आधारित थर्मल निगरानी का पायलट परीक्षण भी किया गया है। इसके साथ ही आईआईटी मद्रास के सहयोग से एआई-सक्षम हवाई निरीक्षण प्रणाली विकसित करने पर भी काम चल रहा है, जिससे रेल अवसंरचना की निगरानी और अधिक प्रभावी हो सकेगी।

भारतीय रेलवे एआई संचालित नवाचारों को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए रेल प्रौद्योगिकी नीति और एक समर्पित पोर्टल भी विकसित कर रहा है। इसका उद्देश्य स्केलेबल तकनीकी समाधानों को बढ़ावा देना और रेल प्रणाली को और अधिक सुरक्षित, आधुनिक तथा कुशल बनाना है।

**भारतीय रेल में तकनीकी सुधार एक सतत प्रक्रिया है।**
**भारतीय रेल में लागू/परीक्षणित कुछ प्रमुख प्रौद्योगिकियां निम्नलिखित हैं:**

**मशीन विजन इंस्पेक्शन सिस्टम (एमवीआईएस):** एमवीआईएस एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई)/मशीन लर्निंग (एमएल) आधारित प्रणाली है जो चलती ट्रेनों के किसी भी लटके हुए, ढीले या गायब पुर्जों का पता लगाने पर अलर्ट जारी करती है। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे में तीन (03) एमवीआईएस, समर्पित माल गलियारा निगम ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीएफसीसीआईएल) में दो (02) और दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में मालगाड़ियों के लिए प्रायोगिक आधार पर एक (01) एमवीआईएस स्थापित की गई हैं। इसके अलावा, मालगाड़ियों के लिए सीमांत रेलवे नेटवर्क पर चार (04) एमवीआईएस शामिल करने के लिए सीमांत रेलवे और डीएफसीसीआईएल के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। साथ ही, अनुसंधान डिजाइन और मानक संगठन (आरडीएसओ) ने उद्योग के सहयोग से रुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) के माध्यम से रोलिंग स्टॉक के लिए एमवीआईएस के विकास का कार्य शुरू किया है।

**व्हील इम्पैक्ट लोड डिटेक्टर (डब्ल्यूआईएलडी):** डब्ल्यूआईएलडी वे-साइड निरीक्षण प्रणाली है जो रोलिंग स्टॉक में दोषपूर्ण पहिए की पहचान करने के लिए ट्रैक पर पहिए के प्रभाव को मापती है। भारतीय रेल में ऐसी 24 प्रणालियां स्थापित की गई हैं।

**रोलिंग स्टॉक की ऑनलाइन निगरानी (ओएमआरएस):** ओएमआरएस एक मार्ग-तटीय निरीक्षण प्रणाली है जो रोलिंग स्टॉक के बेयरिंग और पहियों की स्थिति की निगरानी करती है। रेलवे में ऐसी 25 प्रणालियाँ स्थापित हैं, जिनमें से एक (01) ओएमआरएस दक्षिण मध्य रेलवे के सिरपुर कागज नगर/सिकंदराबाद डिवीजन में स्थापित है।

**एकीकृत ट्रैक निगरानी प्रणाली (आईटीएमएस):** आईटीएमएस का उपयोग रेलवे ट्रैक के व्यापक निरीक्षण और निगरानी के लिए किया जाता है। आईटीएमएस रेल, स्लीपर और फास्टनिंग्स जैसे रेलवे ट्रैक घटकों में दोषों की निगरानी और पहचान करने के लिए मशीन लर्निंग और इमेज प्रोसेसिंग का उपयोग करता है। आईटीएमएस से प्राप्त डेटा का विश्लेषण ट्रैक के तत्काल और नियोजित रखरखाव के लिए किया जाता है। वर्तमान में, रेलवे ट्रैक की रिकॉर्डिंग और निगरानी के लिए तीन (03) आईटीएमएस तैनात हैं। यह बेहतर ट्रैक रखरखाव योजना, बढ़ी हुई सुरक्षा, ट्रैक संपत्तियों की बेहतर विश्वसनीयता और परिचालन दक्षता में सहायक है।

**ड्रोन आधारित ओवरहेड उपकरण निगरानी:** रायपुर डिवीजन में पायलट आधार पर ओवरहेड उपकरण (ओएचई) की थर्मल इमेजिंग के साथ ड्रोन आधारित निगरानी शुरू की गई है। इसके अलावा, आईआर ने आईआईटी मद्रास के सहयोग से ओवरहेड उपकरण (ओएचई) के ड्रोन आधारित हवाई निरीक्षण का विकास कार्य शुरू किया है, जो एआई/एमएल का उपयोग करके कैप्चर किए गए डेटा का विश्लेषण भी करेगा।

**ट्राई-नेत्रा:** आरडीएसओ ने कोहरे, बारिश और खराब मौसम के दौरान लोको चालकों की सहायता के लिए ट्राई-नेत्र (टेरेन इमेजिंग फॉर लोकोमोटिव ड्राइवर्स- इन्फ्रारेड, एन्हांस्ड ऑप्टिकल एंड रेंजिंग डिवाइस असिस्टेड) का विकास कार्य शुरू किया है। यह प्रणाली ऑप्टिकल कैमरों, इन्फ्रारेड कैमरे और रेंजिंग उपकरणों (जैसे रडार/लिडार) और एआई से मिलकर लोको चालकों की सहायता के लिए एक वास्तविक समय, उन्नत विजन प्रणाली बनाती है।

**रेल प्रौद्योगिकी नीति:** लागत प्रभावी, लागू करने योग्य और विस्तार योग्य समाधानों के विकास को बढ़ावा देने के लिए, जिनमें एआई और डेटा-संचालित प्रौद्योगिकियों पर आधारित समाधान भी शामिल हैं, भारतीय रेल सेवा द्वारा 26.02.2026 को रेल प्रौद्योगिकी नीति नामक एक नई नीति अपनाई गई है और नवप्रवर्तकों और स्टार्टअप्स की भागीदारी को सुविधाजनक बनाने के लिए एक पोर्टल (https://railtech.indianrailways.gov.in) का शुभारंभ किया गया है। प्रस्तावित रेल प्रौद्योगिकी नीति में निम्नलिखित प्रमुख विशेषताएं शामिल हैं:

- नवप्रवर्तक द्वारा प्रस्तावों का एकल-चरण विस्तृत प्रस्तुतीकरण।
- रेल प्रौद्योगिकी पोर्टल पर नवप्रवर्तक द्वारा स्वयं शुरू की गई चुनौतियों के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत करने का प्रावधान।
- भारतीय रेलवे और नवप्रवर्तक के बीच 50:50 लागत-साझाकरण के आधार पर वित्तपोषण का प्रावधान है,
- जिसमें प्रोटोटाइप विकास और परीक्षणों के लिए अधिकतम अनुदान दिया जाएगा।
- विस्तारित परीक्षणों या विस्तार के लिए अनुदान की पेशकश की जाती है।

Scanned with OKEN Scanner

# ट्रेन एक, अनुभव अनेक: भारत गौरव संग करें दक्षिण भारत, महाकालेश्वर एवं उत्तर भारत के दर्शन

## यात्रा तिथि- दिनांक 11-04-2026 से 22-04-2026 तक 11 रात एवं 12 दिन

सूत्र/आईआरसीटीसी- इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन लिमिटेड आईआरसीटीसी भारत सरकार के रेल मंत्रालय के अंतर्गत एक केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम है। आईआरसीटीसी को स्टेशनों, ट्रेनों पर खानपान और आतिथ्य सेवाओं को उन्नत करने एवं पेशेवर बनाने और प्रबंधित करने और घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भारतीय रेलवे की एक विस्तारित शाखा के रूप में स्थापित किया गया है। इंडियन रेलवे केटरिंग एण्ड टूरिज्म कॉर्पोरेशन लि० (आईआरसीटीसी) } द्वारा गोरखपुर रेलवे स्टेशन से भारत गौरव पर्यटक ट्रेन } द्वारा तिरुपति बालाजी मंदिर, रामनाथ स्वामी मंदिर (रामेश्वरम), मीनाक्षी मंदिर, कन्याकुमारी दर्शन, मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग, यात्रा का संचालन किया जा रहा है। इस यात्रा के मुख्य आकर्षण गंतव्य तिरुपति बालाजी मंदिर (तिरुपति), रामनाथ स्वामी मंदिर (रामेश्वरम), मीनाक्षी मंदिर (मदुरै), स्थानीय दर्शन (कन्याकुमारी) मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग (मरकापुर) हैं।

इस पैकेज में 02 एसी, 03 एसी एवं स्लीपर क्लास यात्रा, नाश्ता एवं दोपहर व रात्रि का शाकाहारी भोजन, एसी/ नॉन एसी बसों द्वारा स्थानीय भ्रमण सम्मिलित है।

इकोनामी श्रेणी (स्लीपर क्लासं) में ठहरने पर पैकेज का मूल्य रू०- 24790/- प्रति व्यक्ति एवं प्रति बच्चे (5-11 वर्ष) का पैकेज का मूल्य रू०- 23400/- है। (स्लीपर क्लास ट्रेन यात्रा, डबल/ट्रिपल पर नॉन एसी होटलों

में ठहरने, नॉन एसी होटल के कमरे में मल्टी शेयर पर (शेयरिंग/नॉन शेयरिंग-पैकेज के अनुसार) वॉश एंड चेंज एवं नॉन एसी ट्रांसपोर्ट की व्यवस्था)

स्टैंडर्ड श्रेणी (3एसी क्लास) में ठहरने पर पैकेज का मूल्य रू०- 42530/- प्रति व्यक्ति एवं प्रति बच्चे (5-11 वर्ष) का पैकेज का मूल्य रू०- 40900/- है। (3एसी क्लास ट्रेन यात्रा, डबल/ट्रिपल पर एसी होटलों में ठहरने, नॉन एसी होटल के कमरे में डबल/ट्रिपल पर (शेयरिंग/नॉन शेयरिंग-पैकेज के अनुसार) वॉश एंड चेंज एवं नॉन एसी ट्रांसपोर्ट की व्यवस्था)

कम्फर्ट श्रेणी (2एसी क्लास) में ठहरने पर पैकेज का मूल्य रू०- 56710/- प्रति व्यक्ति एवं प्रति बच्चे (5-11 वर्ष) का पैकेज का मूल्य रू०- 54750/- है।

(2एसी क्लास ट्रेन यात्रा, डबल/ट्रिपल पर एसी होटलों में ठहरने, एसी होटल के कमरे में डबल/ट्रिपल पर (शेयरिंग/नॉन शेयरिंग-पैकेज के अनुसार) वॉश एंड चेंज एवं एसी ट्रांसपोर्ट की व्यवस्था).

श्रेणी अनुसार कुल बर्थों की सं० 751- 02 एसी (कुल 49 सीटें), 03 एसी (कुल 210 सीटें)एवं स्लीपर (कुल 492 सीटें)

उतरने/चढने के स्टेशन- गोरखपुर - मनकापुर - अयोध्या कैंट सुल्तानपुर - माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ - प्रयागराज संगम - रायबरेली - लखनऊ - कानपुर सेंट्रल उरई - वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी ललितपुर।

इस यात्रा सेवा मे LTC एवं EMI की सुविधा भी उपलब्ध है। ईएमआई की सुविधा आईआरसीटीसी पोर्टल पर उपलब्ध सरकारी एवं गैर सरकारी बैंक से ली जा सकती है। इस पैकेज की बुकिंग पहले आओ पहले पाओ के आधार पर की जायेगी। उक्त यात्रा की बुकिंग हेतु पर्यटन भवन, गोमती नगर, लखनऊ स्थित आईआरसीटीसी कार्यालय एवं आईआरसीटीसी की बेवसाइट www.irctctourism.com से आनलाइन बुकिंग भी कराई जा सकती है।

अधिक जानकारी एवं बुकिंग के लिये नीचे दिये गये मोबाइल नम्बरों पर सम्पर्क कर सकते है:
**9236391908, 9305110962, 8287930908, 9415042930, 82879**

## महाकालेश्वर एवं उत्तर भारत दर्शन यात्रा हेतु भारत गौरव ट्रेन

सूत्र/रे.स.ब्यू- भारत सरकार की "देखो अपना देश" और "एक भारत श्रेष्ठ भारत" पहल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रेल मंत्रालय देश के विभिन्न हिस्सों से भारत गौरव पर्यटक रेलों का संचालन कर रहा है। भारतीय रेल श्रद्धालुओं के लिए महाकालेश्वर एवं उत्तर भारत दर्शन यात्रा हेतु भारत गौरव ट्रेन चलाएगी। जो श्रद्धालु महाकालेश्वर और उत्तर भारत के अन्य तीर्थ स्थलों के दर्शन करना चाहते हैं, उनके लिए यह विशेष रेल चलाई जा रही है। इस यात्रा की योजना और संचालन भारतीय रेल खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) द्वारा किया जाएगा।

महाकालेश्वर एवं उत्तर भारत दर्शन यात्रा 10 रात / 11 दिन का भ्रमण पैकेज है, जो 25.04.2026से05.05.2026 तक चलेगा। इस यात्रा में उज्जैन मथुरा हरिद्वार ऋषिकेश अमृतसर वैष्णो देवी और वापसी शामिल है।

भारत गौरव एक्सप्रेस 25.04.2026 को सुबह 08.00 बजे दौंड स्टेशन से रवाना होगी और 05.05.2026 को रात 20.30 बजे वापस दौंड स्टेशन पहुंचेगी। यात्री पुणे, लोणावला, कर्जत, कल्याण, वसई रोड, सूरत, वडोदरा और उज्जैन से रेल में चढ़ और उतर सकते हैं। मथुरा, हरिद्वार, अमृतसर और वैष्णो देवी में ठहरने की व्यवस्था रहेगी। डिब्बों की संरचनाः 1 वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी, 3 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, 7 शयनयान श्रेणी, 2 पावर यान और 1 पैन्ट्री यान (कुल 14 एलएचबी डिब्बे)। अधिक जानकारी के लिए संबंधित आधिकारिक वेबसाइट www.irctctourism.com पर देखें।

## मध्य रेल की रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने 12.82 लाख रुपये मूल्य के 43 किलोग्राम नशीले पदार्थ जब्त किए - नशीले पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़।

सूत्र/मध्य रेल -नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई में, मध्य रेल की रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने दो अलग-अलग अभियानों में नशीले पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया और 12.82 लाख रुपये मूल्य के 43 किलोग्राम नशीले पदार्थ जब्त किए। नागपुर में अभियानः नागपुर आरपीएफ टीम ने दिनांक 06.02.2026 को एक अभियान में नशीले पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया और 3.72 लाख रुपये मूल्य के नशीले पदार्थ जब्त किए। एक इंस्पेक्टर, एक सहायक सब-इंस्पेक्टर और 2 आरपीएफ कर्मियों की टीम ने दिनांक 06.02.2026 को नागपुर स्टेशन पर निगरानी ड्यूटी के दौरान, संदेह होने पर दो बैग ले जा रहे एक व्यक्ति को रोका। विधिवत प्रक्रिया का पालन करते हुए, गवाहों की उपस्थिति में बैगों की तलाशी लेने पर 24.80 किलोग्राम गांजे के 9 पैकेट बरामद हुए, जिनकी अनुमानित कीमत 3.72 लाख रुपये है। पूछताछ करने पर, मध्य प्रदेश के भिंड निवासी शाहिद खान नामक आरोपी ने ग्वालियर ले जाने के लिए नशीले पदार्थों के पैकेट ले जाने की बात कबूल की।

आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है और आगे की कार्रवाई के लिए उसे जब्त किए गए नशीले पदार्थों के साथ गवर्नमेंट रेलवे पुलिस, नागपुर को सौंप दिया गया है। कलबुरगि में अभियानः कलबुरगि में 03.02.2026 को आरपीएफ टीम ने जीआरपी के समन्वय से एक अभियान में 9.10 लाख रुपये मूल्य के नशीले पदार्थ जब्त किए। आरपीएफ और जीआरपी टीमों ने सूचना के आधार पर दिनांक 03.02.2026 को कलबुरगि स्टेशन पर ट्रेन संख्या 11020 कोणार्क एक्सप्रेस की संयुक्त रूप से जाँच की। टीम को कोच बी-1 में बर्थ संख्या 41 के नीचे एक लावारिस बैग मिला। गवाहों की उपस्थिति में विधिवत जांच करने पर बैग से 18.20 किलोग्राम वजन के 18 बंडल गांजा बरामद हुआ, जिसकी अनुमानित कीमत 9.10 लाख रुपये है।

जब्त की गई सामग्री को विधिवत सील कर दिया गया है और वाडी पुलिस स्टेशन में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। यह अभियान मध्य रेल आरपीएफ और जीआरपी के बीच अनुकरणीय समन्वय और भारत के रेल नेटवर्क के माध्यम से मादक पदार्थों की तस्करी को खत्म करने की उनकी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

## पश्चिम बंगाल और झारखंड के 5 जिलों को शामिल करने वाली दो मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को स्वीकृति दी

### इन परियोजनाओं की कुल अनुमानित लागत 4,474 करोड़ रुपये है और ये वर्ष 2030-31 तक पूरी हो जाएंगी

सूत्र/रे.स.ब्यू- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की आर्थिक कार्य समिति ने रेल मंत्रालय की लगभग 4,474 करोड़ रुपये की कुल लागत वाली दो परियोजनाओं सैंथिया-पाकुड़ चौथी लाइन, संतरागाछी-खड़गपुर चौथी लाइन को स्वीकृति दी है। बढ़ी हुई रेल लाइन क्षमता से आवागमन में उल्लेखनीय सुधार होगा, जिसके परिणामस्वरूप भारतीय रेलवे की परिचालन दक्षता और सेवा विश्वसनीयता में वृद्धि होगी। ये मल्टी-ट्रैकिंग परियोजना से परिचालन को सुव्यवस्थित करने और भीड़भाड़ को कम करने में सहायता मिलेगी। ये परियोजनाएं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नए भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप हैं। इसका उद्देश्य क्षेत्र के लोगों को व्यापक विकास के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाना है, जिससे उनके रोजगार/स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

ये परियोजनाएं पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अंतर्गत बनाई गई हैं, जिसमें एकीकृत योजना और हितधारकों के परामर्श के माध्यम से मल्टी-मोडल कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक दक्षता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। ये परियोजनाएं लोगों, वस्तुओं और सेवाओं के निर्बाध आवागमन के लिए कनेक्टिविटी प्रदान करेंगी।

पश्चिम बंगाल और झारखंड राज्यों के 5 जिलों को शामिल करने वाली 2 परियोजनाएं भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क को लगभग 192 किलोमीटर तक बढ़ाएंगी। स्वीकृत मल्टी-ट्रैकिंग परियोजना लगभग 5,652 गांवों को कनेक्टिविटी प्रदान करेगी, जिनकी आबादी लगभग 147 लाख है। प्रस्तावित क्षमता वृद्धि से देश भर के कई प्रमुख पर्यटन स्थलों, जैसे बोलपुर-शांतिनिकेतन, नंदिकेश्वरी मंदिर (शक्तिपीठ), तारापीठ (शक्तिपीठ), पटाचित्र ग्राम, धडिका वन, भीमबंध वन्यजीव अभ्यारण्य, रामेश्वर कुंड आदि के लिए रेल संपर्क में सुधार होगा।

स्वीकृत परियोजनाएं कोयला, पत्थर, डोलोमाइट, सीमेंट, स्लैग, जिप्सम, लोहा और इस्पात, खाद्यान्न, पीओएल, कंटेनर आदि जैसी वस्तुओं के परिवहन के लिए आवश्यक मार्ग हैं। क्षमता वृद्धि कार्यों के परिणामस्वरूप प्रति वर्ष 31 मिलियन टन माल ढुलाई की अतिरिक्त क्षमता प्राप्त होगी। रेलवे पर्यावरण के अनुकूल और ऊर्जा दक्ष परिवहन माध्यम होने के नाते, जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने और देश की रसद लागत को कम करने में सहायता करेगा, तेल आयात (6 करोड़ लीटर) को कम करेगा और कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन (28 करोड़ किलोग्राम) को कम करेगा, जो 1 करोड़ पौधारोपण के बराबर है।

Scanned with OKEN Scanner

# रेलवे किराए को व्यापारिक गोपनीयता नहीं मानता, यात्रियों के किराए में तर्कसंगतकरण, संशोधन आदि में कोई भी परिवर्तन समय-समय पर व्यापक रूप से प्रकाशित किए जाते हैं: श्री अश्विनी वैष्णव

सूत्र/पीआईबी- रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में बताया कि रेल मंत्रालय टिकट किराए को ''व्यापारिक गोपनीयता'' नहीं मानता। सभी श्रेणियों के यात्रियों की सेवाओं के किराए से संबंधित जानकारी सार्वजनिक क्षेत्र में व्यापक रूप से प्रकाशित उपलब्ध है।

भारतीय रेल ने 2024-25 में यात्रियों के टिकटों पर 60,239 करोड़ रुपये की सब्सिडी दी। यह रेलवे पर यात्रा करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को औसतन 43% की छूट के बराबर है। दूसरे शब्दों में, यदि सेवा प्रदान करने की लागत 100 रुपये है, तो टिकट की कीमत केवल 57 रुपये है।

यह सब्सिडी सभी यात्रियों के लिए जारी है। इसके अलावा, इस सब्सिडी राशि से परे कई श्रेणियों जैसे 4 श्रेणियों के दिव्यांगजनों, 11 श्रेणियों के रोगियों और 8 श्रेणियों के छात्रों के लिए छूट जारी है।

अधिकतम पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए, यात्रियों के किराए के विभिन्न घटकों (मूल किराया, आरक्षण शुल्क, सुपरफास्ट शुल्क, जीएसटी आदि) की जानकारी यात्रियों के टिकटों पर प्रदर्शित की जाती है, भौतिक और डिजिटल रूप में किराया तालिकाओं के रूप में प्रकाशित की जाती है, कंप्यूटरीकृत टिकटिंग सिस्टम (यात्री आरक्षण प्रणाली, अनारक्षित टिकटिंग सिस्टम), मोबाइल एप्लीकेशन (रेलवन) आदि पर उपलब्ध/प्रदर्शित की जाती है।

इसके अलावा, समय-समय पर किए गए यात्रियों के किराए में तर्कसंगतकरण, संशोधन आदि से संबंधित जानकारी भी व्यापक रूप से प्रकाशित की जाती है। भारतीय रेल एक सार्वजनिक स्वामित्व वाली उद्यम के रूप में वित्तीय रूप से टिकाऊ तरीके से सेवाओं की डिलीवरी के लिए लोगों और संसद के प्रति पूर्ण रूप से उत्तरदायी है। यात्रियों के किराए सेवा की लागत, अन्य परिवहन माध्यमों से प्रतिस्पर्धा, वहन क्षमता आदि को ध्यान में रखते हुए निर्धारित किए जाते हैं। भारतीय रेल सीनियर नागरिकों और दिव्यांगजनों सहित यात्रियों की सुविधा के लिए विभिन्न सुविधाएं प्रदान करने का निरंतर प्रयास करता है।

यात्रियों के यात्रा अनुभव को बेहतर बनाने के लिए, वंदे भारत स्लीपर को आधुनिक कोच प्रदान किए गए हैं जिनमें उन्नत सुरक्षा सुविधाएं और यात्री सुविधाएं जैसे झटके-मुक्त अर्ध-स्थायी कपलर, कवच, उच्च त्वरण, सुधरे हुए अग्नि सुरक्षा मानक, सील्ड गैंगवे, सभी कोचों में सीसीटीवी, इमरजेंसी टॉक-बैक यूनिट, केंद्रीकृत कोच मॉनिटरिंग सिस्टम आदि हैं।

वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का किराया संरचना प्रति यात्री-प्रति किलोमीटर दर पर आधारित है, अर्थात 3एसी के लिए जीएसटी को छोड़कर 2.40 है। 1000 किमी की दूरी के लिए संकेतक किराया जीएसटी को छोड़कर 3एसी के लिए 2400 है।

वंदे भारत स्लीपर ट्रेन एक अलग श्रेणी की यात्री सेवा है जिसमें समग्र किराया है और इस ट्रेन में आरएसी टिकट का प्रावधान नहीं है। वेटिंग लिस्ट में यात्रियों को कन्फर्म यात्रियों द्वारा टिकट रद्द करने पर कन्फर्मेशन मिल जाता है। इसलिए सेवाएं यात्रियों के लिए सुलभ हैं।

रेलवे हमेशा समाज के सभी वर्गों को किफायती सेवाएं प्रदान करने का प्रयास करता है। तदनुसार, यह समाज के विभिन्न वर्गों की यात्रा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विभिन्न श्रेणियों की ट्रेन सेवाएं संचालित करता है जिसमें समाज के कमजोर वर्ग को लाभ देने के लिए कम किराए वाली ट्रेनें और उन्नत सुविधाओं वाली ट्रेनें शामिल हैं।

भारतीय रेल के किराए विश्व के अन्य देशों की तुलना में सबसे कम में से हैं। वंदे भारत स्लीपर का किराया 2.40 से 3.80 प्रति पीकेएम के बीच है जो चीन, जापान और फ्रांस जैसे देशों में समान सेवाओं के किराए से बहुत कम है, जहां यह 7.00 से 20.00 प्रति पीकेएम के बीच है।

### सीनियर नागरिकों और दिव्यांगजनों को प्रदान की गई कुछ सुविधाएं निम्नानुसार हैं:

- दिव्यांगजनों (पीडब्ल्यूडी), सीनियर नागरिकों, 45 वर्ष और उससे अधिक आयु की महिला यात्रियों को निचले बर्थ का आवंटन स्वचालित रूप से किया जाता है, भले ही कोई विकल्प न दिया गया हो, उपलब्धता के अधीन।
- स्लीपर क्लास में प्रति कोच 6-7 निचले बर्थ का संयुक्त कोटा, एयर कंडीशन्ड 3-टियर (3एसी) में प्रति कोच 4-5 निचले बर्थ, एयर कंडीशन्ड 2-टियर (2एसी) में प्रति कोच 3-4 निचले बर्थ (ट्रेन में उस क्लास के कोचों की संख्या के आधार पर) सीनियर नागरिकों, 45 वर्ष और उससे अधिक आयु की महिला यात्रियों तथा गर्भवती महिलाओं के लिए आरक्षित।
- मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों सहित राजधानी/शताब्दी प्रकार की ट्रेनों में दिव्यांगजनों और उनके परिचारकों के लिए आरक्षण कोटा निम्नानुसार आरक्षितः
- स्लीपर क्लास में 4 बर्थ (2 निचले और 2 मध्य बर्थ सहित)
- 3एसी/3ई में 4 बर्थ (2 निचले और 2 मध्य बर्थ सहित)आरक्षित
- सेकंड सिटिंग (2एस)/एयर कंडीशन्ड चेयर कार (सीसी) में 4 सीटें जहां ट्रेन में उस क्लास के दो से अधिक कोच उपलब्ध हों।
- ट्रेन में रिक्त होने वाले निचले बर्थ को प्राथमिकता से सीनियर नागरिकों, दिव्यांगजनों या गर्भवती महिलाओं (जिन्हें मध्य/ऊपरी बर्थ आवंटित किया गया हो) को आवंटित किया जाता है।

**पहली वंदे भारत स्लीपर सेवा अर्थात 27575/27576 हावड़ा-कामाख्या वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस 22.01.2026 से प्रारंभ की गई है। नई ट्रेन सेवाओं का प्रसार, जिसमें वंदे भारत स्लीपर सेवाएं शामिल हैं, एक सतत प्रक्रिया है, जो विभिन्न कारकों पर निर्भर करती है जिनमें शामिल हैं-**

- उस सेक्शन की क्षमता
- पाथ की उपलब्धता
- आवश्यक रोलिंग स्टॉक की उपलब्धता
- रोलिंग स्टॉक के लिए समान इंफ्रास्ट्रक्चर की उपलब्धता
- रेलवे ट्रैकों और अन्य संपत्तियों के रखरखाव की आवश्यकता।
- सेक्शन की अधिभोगिता और यातायात आवश्यकता

# गति शक्ति विश्वविद्यालय ने क्षमता विकास आयोग के साथ मिलकर क्षमता निर्माण के संयुक्त प्रयास शुरू किए

सूत्र/रे.स.ब्यू- सरकार के क्षमता विकास आयोग (सीबीसी) ने वडोदरा में प्रशिक्षण संस्थानों के लिए सतत वित्तपोषण, शासन और संसाधन जुटाने पर एक पश्चिमी क्षेत्रीय परामर्श कार्यशाला का आयोजन किया। गति शक्ति विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में पश्चिमी राज्यों के सिविल सेवा प्रशिक्षण संस्थानों (सीएसटीआई) के 26 प्रतिभागियों ने संस्थागत वित्तपोषण और शासन में प्रमुख सुधारों पर विचार-विमर्श किया। इस कार्यक्रम में सीबीसी और गति शक्ति विश्वविद्यालय के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। यह सहयोगात्मक क्षमता निर्माण प्रयासों के प्रति एक प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

कार्यशाला सत्रों में मसौदा रूपरेखा संरचना और नीति दिशा पर एक साझा सहमति स्थापित हुई। कार्यशाला में दो विषयगत समूहों ने प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की। पहले समूह ने सतत वित्तपोषण पर ध्यान केंद्रित किया । इसमें वित्तीय संरचनाओं और बजट मॉडलों पर चर्चा की गई। राजस्व प्रतिधारण, पुनर्विनियोजन और आगे ले जाने की प्रक्रियाओं का विश्लेषण किया गया। समूह ने राजस्व सृजन के संभावित तरीकों का भी पता लगाया।

दूसरे समूह ने शासन और संसाधन जुटाने पर ध्यान केंद्रित किया। इसमें शक्तियों के प्रत्यायोजन और शासी निकाय की कार्यप्रणाली पर विचार-विमर्श किया गया। शैक्षणिक और प्रशासनिक स्वायत्तता चर्चा के प्रमुख क्षेत्र थे। समूह ने अवसंरचना उपयोग नीति पर भी विचार किया। संस्थागत विशेषज्ञता का लाभ उठाने, डिजिटल विस्तार और साझेदारी पर भी चर्चा हुई।

कार्यशाला का शुभारंभ सीबीसी की प्रधान सलाहकार सुश्री चंद्रलेखा मुखर्जी के स्वागत भाषण से हुआ। इसके बाद गति शक्ति विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर मनोज चौधरी ने उभरते क्षमता निर्माण परिदृश्य में जीएसवी की भूमिका का उल्लेख किया। सीबीसी की अध्यक्ष सुश्री एस. राधा चौहान ने संस्थागत सुदृढ़ीकरण के माध्यम से सीएसटीआई को भविष्य के लिए तैयार करने पर संबोधित किया और विकसित भारत/2047 की दिशा में एक सशक्त सीएसटीआई इकोसिस्टम के निर्माण में सीबीसी की सहायक भूमिका पर बल दिया।

सीबीसी ने कहा कि पश्चिमी क्षेत्रीय परामर्श से प्राप्त अंतर्दृष्टि को सतत वित्तपोषण तंत्र को मजबूत करने, शासन संरचनाओं में सुधार करने और सिविल सेवा प्रशिक्षण इकोसिस्टम में संसाधन जुटाने की क्षमताओं को बढ़ाने के उद्देश्य से समेकित राष्ट्रीय स्तर की सिफारिशों में शामिल किया जाएगा।

# रेलवे का नया लॉजिस्टिक्स सिस्टम: उपकेंद्रों से माल उठान और पैकेजिंग के साथ सीधे गंतव्य तक पहुंच

सूत्र/पीआईबी- केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में प्रश्न के उत्तर में जानकारी दी कि भारतीय रेल ने माल ढुलाई प्रचालन क्षमता और क्षेत्रीय संपर्क मजबूत करने के लिए, ढुलाई दक्षता बढ़ाने, निर्बाध क्षेत्रीय संपर्क सुनिश्चित करने और निर्धारित स्थल से अंतिम गंतव्य तक माल पहुंचाने की कुशल सुविधा के लिए बहुआयामी रणनीति लागू की है।

भारतीय रेल ने टर्मिनलों पर रेल माल ढुलाई क्षमता में सुधार के लिए, गति शक्ति मल्टी-मोडल कार्गो टर्मिनल नीति के तहत आधुनिक रेल माल टर्मिनलों के विकास को प्रोत्साहित करने और रेलवे माल गोदामों में बुनियादी ढांचे मजबूत/उन्नत बनाने की दोहरी रणनीति अपनाई है। 05.03.2026 तक, भारतीय रेल में 128 गति शक्ति मल्टी-मोडल कार्गो टर्मिनल क्रियाशील हो गए हैं और ऐसे 288 कार्गो टर्मिनल के लिए सैद्धांतिक स्वीकृति दी गई है। इसके अतिरिक्त, देश भर के माल और पार्सल टर्मिनलों पर ग्राहकों की सुविधाओं में सुधार के लिए, वित्तीय वर्ष 2023-24, 2024-25 और 2025-26 के लिए 14,500 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

रेल मंत्रालय के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी, भारतीय कंटेनर निगम लिमिटेड- कॉनकोर, दिल्ली-कोलकाता और मुंबई-कोलकाता मार्गों पर संयुक्त पार्सल उत्पाद - तीव्र कार्गो सेवा- जेपीपी-आरसीएस का उपयोग कर घर तक पार्सल सेवाएं प्रदान कर रहा है। कॉनकोर पायलट परियोजना के तहत सोनिक गुड्स शेड में डोर-टू-डोर लॉजिस्टिक्स सेवाएं भी मुहैया करा रहा है।

भारतीय डाक के साथ संयुक्त पार्सल उत्पाद पहल को वर्ष 2022 में कुछ मार्गों पर पायलट आधार पर आरंभ किया गया था। इसका उद्देश्य ई-कॉमर्स और सुक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम बाजार पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए बिजनेस-टू-कस्टमर (बी2सी) और बिजनेस-टू-बिजनेस (बी2बी) बाजारों को लक्षित करना था, जिसमें 35 किलोग्राम से 100 किलोग्राम तक के भार वर्ग के लिए बाजार के रुझानों के अनुसार किफायती मूल्य उपलब्ध कराया गया। इस योजना के तहत भारतीय डाक ने निर्धारित से अंतिम गंतव्य तक पार्सल सेवा प्रदान की, जबकि भारतीय रेल ने उपकेंद्रों तक इन्हें पहुंचाने की सेवाएं दीं।

पायलट परियोजना के अनुभव के आधार पर, संयुक्त पार्सल योजना अन्य

पार्सल सेवा प्रदाताओं के लिए भी उपलब्ध कराई गई और इसका नाम बदलकर जॉइंट पार्सल प्रोडक्ट रैपिड कार्गो सर्विस कर दिया गया। इस योजना के तहत, पंजीकृत पार्सल प्रदाता भारतीय रेल द्वारा विकसित ''वर्चुअल एग्रीगेशन प्लेटफॉर्म'' के माध्यम से जेपीपी-आरसीएस की ऑनलाइन बुकिंग करते हैं। अभी बाजार की मांग और परिचालन व्यवहार्यता के आधार पर निर्धारित विशिष्ट स्थानों के बीच (समय सारणीबद्ध) 7 जोड़ी निर्धारित सेवाएं संचालित हो रही हैं। मौजूदा वर्ष फरवरी 2026 तक जेपीपी-आरसीएस से लगभग 56 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित हुआ है।

दक्षिण मध्य रेलवे ने 25.02.2026 को एक वर्ष की अवधि के लिए रेलवे पार्सल प्रचालन के लिए व्यापक ''ऐप-आधारित प्लेटफॉर्म'' विकसित करने हेतु पायलट परियोजना आरंभ की। इसके तहत, प्रचालन सेवा प्रदाताओं के सहयोग से डोर-टू-डोर पार्सल सेवा प्रदान की जा रही है। एकीकृत पार्सल लॉजिस्टिक्स ऐप, ''रेल पार्सल'', को डिजिटल मार्केटप्लेस के रूप में विकसित किया गया है, जिसमें चयनित लॉजिस्टिक्स सेवा प्रदाताओं को भागीदार के रूप में शामिल किया गया है। ये प्रचालन भागीदार निर्धारित स्थल से माल उठाने, गंतव्य तक इसे पहुंचाने और पैकेजिंग जैसी सेवाओं सहित अन्य सेवाएं प्रदान करते हैं, जबकि भारतीय रेल, रेल सेवाओं द्वारा मिड-माइल परिवहन (उपकेंद्रों तक माल पहुंचाने की सुविधा) प्रदान करती है।

यह परियोजना हैदराबाद, विशाखापत्तनम, विजयवाड़ा, गुंटूर, राजमुंद्री, बेंगलुरु और चेन्नई सहित सात शहरों में सत्रह स्टेशनों पर कार्यान्वित की जा रही है। रुचि की अभिव्यक्ति प्रक्रिया के माध्यम से तीन निजी प्रचालन भागीदारों को भी इसमें शामिल किया गया है। सभी रेलवे मंडलों (डिवीजनों) में संचालित व्यवसाय विकास इकाइयों को विभिन्न हितधारकों के साथ जुड़कर यातायात के आकलन के साथ ही प्रथम और अंतिम गंतव्य तक पार्सल सेवा पहुंचाने के लिए प्रचालन सेवा प्रदाताओं की उपलब्धता और तत्परता के आकलन करने को कहा गया है। इस ऐप को पूरे देश में संचालित करने का निर्णय परियोजना से प्राप्त अनुभव के आधार पर लिया जाएगा।

Scanned with OKEN Scanner

# भारतीय रेलवे ने प्रमुख कॉरिडोरों में ट्रैक्शन और डिजिटल संचार व्यवस्था के आधुनिकीकरण के लिए 765 करोड़ रुपये से अधिक की मंजूरी दी

सूत्र/रे.स.ब्यू- भारतीय रेलवे ने नेटवर्क के महत्वपूर्ण खंडों में संचालन को सुदृढ़ करने, लाइन क्षमता बढ़ाने और संचार प्रणालियों के आधुनिकीकरण के लिए 765 करोड़ से अधिक की लागत वाले अनेक प्रमुख बुनियादी ढांचों और प्रौद्योगिकी का आधुनिकीकरण करने संबंधी परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

स्वीकृत परियोजनाओं में दो उच्च घनत्व वाले माल और यात्री कॉरिडोरों पर विद्युत ट्रैक्शन प्रणाली के आधुनिकीकरण के साथ-साथ पश्चिम रेलवे के वडोदरा और मुंबई सेंट्रल डिवीजनों में ऑप्टिकल फाइबर संचार नेटवर्क के बड़े विस्तार को शामिल किया गया है।

### दुव्वाडा-विशाखापत्तनम-विजयनगरम खंड में विद्युत ट्रैक्शन प्रणाली का आधुनिकीकरण

भारतीय रेलवे ने ईस्ट कोस्ट रेलवे के अंतर्गत 106 किमी लंबे दुव्वाडा विशाखापत्तनम विजयनगरम खंड पर विद्युत ट्रैक्शन प्रणाली के आधुनिकीकरण के लिए 318.07 करोड़ रुपये की भी मंजूरी दी है।

इस खंड में मौजूदा 1×25 केवी प्रणाली को आधुनिक कर 2×25 केवी प्रणाली में बदला जाएगा, जिससे अधिक माल लोडिंग क्षमता, बेहतर गति की संभावना और उच्च घनत्व वाले कॉरिडोर पर अधिक विश्वसनीय संचालन सुनिश्चित होगा। हावड़ा चेन्नई मार्ग पर स्थित यह खंड ओडिशा और छत्तीसगढ़ से विशाखापत्तनम बंदरगाह तक खनिज और औद्योगिक वस्तुओं के परिवहन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस आधुनिकीकरण से बिजली आपूर्ति क्षमता मजबूत होगी, जिससे मालगाड़ियों की आवाजाही सुचारु होगी और यात्री ट्रेनों का संचालन भी अधिक कुशल बनेगा।

यह परियोजना 2024–25 के रेलवे बजट में शामिल देशव्यापी कार्यक्रम का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य भारतीय रेलवे में विद्युत ट्रैक्शन प्रणालियों का आधुनिकीकरण करना है।

**रायचूर-गुंटकल खंड में 126 किमी पर आधुनिक 2x25 केवी विद्युत ट्रैक्शन अपग्रेड करने के लिए 259.39 करोड़ रुपये की मंजूरी**

**रणनीतिक दुव्वाडा-विशाखापत्तनम-विजयनगरम माल कॉरिडोर पर ट्रैक्शन प्रणाली के आधुनिकीकरण के लिए 318.07 करोड़ रुपये स्वीकृत**

### रायचूर-गुंटकल खंड में विद्युत ट्रैक्शन प्रणाली का आधुनिकीकरण

भारतीय रेलवे ने दक्षिण मध्य रेलवे के गुंटकल डिवीजन के अंतर्गत कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में फैले 126 किमी लंबे रायचूर गुंटकल खंड पर विद्युत ट्रैक्शन प्रणाली के आधुनिकीकरण के लिए 259.39 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है।

इस खंड में मौजूदा 1×25 केवी प्रणाली को आधुनिक कर 2×25 केवी प्रणाली में बदला जाएगा, जिससे अधिक ट्रेन लोड क्षमता, बेहतर गति की संभावना और उच्च घनत्व वाले कॉरिडोर पर अधिक परिचालन विश्वसनीयता सुनिश्चित होगी। मुंबई चेन्नई मार्ग पर इस आधुनिकीकरण से बिजली आपूर्ति क्षमता मजबूत होगी, जिससे मालगाड़ियों की आवाजाही अधिक सुचारु होगी और वंदे भारत ट्रेनों सहित यात्री सेवाएँ अधिक तेज और कुशल बन सकेंगी। यह परियोजना भारतीय रेलवे के 3,000 मिलियन टन (एमटी) माल लोडिंग के लक्ष्य को प्राप्त करने के मिशन में भी योगदान देगी, साथ ही समग्र नेटवर्क दक्षता को बढ़ाएगी।

यह कार्य 2024–25 के रेलवे बजट में शामिल देशव्यापी कार्यक्रम का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य भारतीय रेलवे में विद्युत ट्रैक्शन प्रणालियों का आधुनिकीकरण करना है।

### वडोदरा और मुंबई डिवीजनों में ओएफसी संचार बैकबोन की स्थापना का प्रावधान

भारतीय रेलवे ने पश्चिम रेलवे के वडोदरा और मुंबई सेंट्रल डिवीजनों में संचार नेटवर्क को मजबूत करने के लिए 187.88 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है।

इस परियोजना के तहत 4×48 कोर ऑप्टिकल फाइबर केबल (ओएफसी) बैकबोन आर्किटेक्चर स्थापित किया जाएगा, जिससे अधिक बैंडविड्थ, नेटवर्क रिडंडेंसी और एलटीई आधारित कवच सहित अन्य महत्वपूर्ण रेलवे संचार प्रणालियों को विश्वसनीय सहयोग सुनिश्चित होगा। आधुनिकीकरण से कवच के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए आवश्यक डिजिटल अवसंरचना मजबूत होगी, जो एक स्वदेशी ट्रेन टक्कर-रोधी प्रणाली है।

इस कार्य के अंतर्गत 1,000 रूट किलोमीटर से अधिक दूरी में ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाई जाएगी, जिसमें 692 किमी वडोदरा डिवीजन और 308 किमी मुंबई डिवीजन शामिल हैं।

यह परियोजना 2024–25 के रेलवे बजट में शामिल एक बड़े राष्ट्रीय कार्यक्रम का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य पूरे रेलवे नेटवर्क में कवच के विस्तार और रेलवे संचार प्रणालियों के आधुनिकीकरण को बढ़ावा देना है।

### रेल बुनियादी ढांचे और क्षमता को मजबूत बनाना

स्वीकृत ये परियोजनाएँ प्रमुख रेल कॉरिडोरों पर ट्रैक्शन पावर प्रणालियों में सुधार, संचार बैकबोन अवसंरचना को मजबूत करने और माल ढुलाई क्षमता बढ़ाने के माध्यम से रेलवे संचालन की दक्षता और विश्वसनीयता को बढ़ाएँगी।

ये पहल आधुनिक ट्रेनों के संचालन में सहयोग देने, डिजिटल संचार नेटवर्क को मजबूत करने और प्रमुख माल एवं यात्री मार्गों पर भारतीय रेलवे के समग्र प्रदर्शन में सुधार करने में भी सहायक होंगी।

**पश्चिम रेलवे के वडोदरा और मुंबई डिवीजनों में 1,000 किमी ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाने के लिए 187.88 करोड़ रुपये की मंजूरी**

# दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-हावड़ा उच्च घनत्व मार्गों पर 1,452 रूट किमी में 'कवच 4.0' शुरू, रेलवे ने बड़े पैमाने पर सुरक्षा अवसंरचना स्थापित की

सूत्र/रे.स.ब्यू- भारतीय रेलवे ने स्वदेशी स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली 'कवच 4.0' को दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-हावड़ा जैसे उच्च घनत्व वाले रेल मार्गों पर कुल 1,452 रूट किलोमीटर में सफलतापूर्वक चालू कर दिया है। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में यह जानकारी देते हुए बताया कि यह प्रणाली ट्रेन संचालन की सुरक्षा को मजबूत करने और दुर्घटनाओं की संभावना कम करने के उद्देश्य से लागू की जा रही है।

कवच 4.0 का संचालन दिल्ली-मुंबई कॉरिडोर के जंक्शन केबिन-पलवल-मथुरा-नागदा खंड (667 रूट किमी), वडोदरा-अहमदाबाद खंड (96 रूट किमी) और वडोदरा-विरार खंड (336 रूट किमी) में किया गया है। इसी तरह दिल्ली-हावड़ा कॉरिडोर में गया-सरमतनार खंड (93 रूट किमी) तथा छोटा अम्बाना-बर्धमान-हावड़ा खंड (260 रूट किमी) में इस प्रणाली को लागू किया गया है।

इस प्रणाली के कार्यान्वयन के लिए रेलवे ने व्यापक तकनीकी अवसंरचना तैयार की है। इसके तहत 8,570 किलोमीटर ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाई गई, 1,100 दूरसंचार टावर स्थापित किए गए, 6,776 रूट किलोमीटर में ट्रैक किनारे उपकरण लगाए गए और 767 स्टेशनों पर डेटा सेंटर स्थापित किए गए। यह नेटवर्क कवच प्रणाली के प्रभावी संचार और निगरानी के लिए आधार प्रदान करता है।

रेल मंत्रालय के अनुसार, भारतीय रेलवे ने गोल्डन क्वाड्रिलैटरल (GQ), गोल्डन डायगोनल (GD), हाई डेंसिटी नेटवर्क (HDN) और अन्य चिन्हित मार्गों को कवर करते हुए 24,427 रूट किलोमीटर में ट्रैक साइड कवच कार्यान्वयन का काम भी शुरू कर दिया है। यह कदम देश के सबसे व्यस्त रेल मार्गों पर उन्नत सुरक्षा प्रणाली को चरणबद्ध तरीके से लागू करने की रणनीति का हिस्सा है।

कुल मिलाकर, कवच 4.0 का विस्तार भारतीय रेलवे के डिजिटल और सुरक्षा आधुनिकीकरण कार्यक्रम का प्रमुख हिस्सा है, जिसका उद्देश्य उच्च यातायात वाले कॉरिडोरों पर सुरक्षित, विश्वसनीय और तकनीक-संचालित ट्रेन संचालन सुनिश्चित करना है।

# रेलवे ने 54,600 किमी पटरियों का नवीनीकरण किया, तेज रफ्तार ट्रेनों के लिए क्षमता बढ़ी

सूत्र/रे.स.ब्यू- भारतीय रेलवे ने रेल संचालन की सुरक्षा और गति क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से वर्ष 2014 से फरवरी 2026 तक देशभर में लगभग 54,600 किलोमीटर रेलवे पटरियों का नवीनीकरण किया है। रेल मंत्रालय के अनुसार पटरियों के उन्नयन और रखरखाव की प्रक्रिया निरंतर जारी रहती है और यह पटरियों की आयु, यातायात भार तथा उनकी स्थिति जैसे मानकों के आधार पर तय की जाती है।

पटरियों के आधुनिकीकरण के कारण रेलवे नेटवर्क की गति क्षमता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। वर्ष 2014 में जहां केवल 40 प्रतिशत रेल नेटवर्क ही 110 किमी प्रति घंटा या उससे अधिक गति के लिए सक्षम था, वहीं 2026 तक यह बढ़कर 80 प्रतिशत से अधिक हो गया है। इसी अवधि में 130 किमी प्रति घंटा या उससे अधिक गति क्षमता वाली पटरियों का हिस्सा भी 6.3 प्रतिशत (5,036 ट्रैक किमी) से बढ़कर 22.4 प्रतिशत (23,713 ट्रैक किमी) हो गया।

110 से 130 किमी प्रति घंटा की गति क्षमता वाले ट्रैक 2014 में 26,409 किमी (33.3 प्रतिशत) थे, जो 2026 में बढ़कर 62,036 किमी (58.7 प्रतिशत) हो गए। वहीं 110 किमी प्रति घंटा से कम गति वाले ट्रैक 2014 में 47,897 किमी (60.4 प्रतिशत) थे, जो घटकर 19,923 किमी (18.9 प्रतिशत) रह गए। कुल ट्रैक लंबाई 2014 में 79,342 किमी थी, जो 2026 में बढ़कर 1,05,672 किमी हो गई।

रेलवे पटरियों की मजबूती और सुरक्षा बढ़ाने के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। इनमें 60 किलोग्राम भार और 90 मीटर अल्टीमेट टेन्साइल स्ट्रेंथ वाली रेल संरचना, प्री-स्ट्रेस्ड कंक्रीट स्लीपर, थिक वेब स्विच, वेल्डेबल सीएमएस क्रॉसिंग, 260 मीटर लंबे रेल पैनल, फ्लैश बट वेल्डिंग तकनीक और उन्नत ट्रैक रखरखाव मशीनों का इस्तेमाल शामिल है। इसके अलावा ट्रैक रिकॉर्डिंग कार, ऑसिलेशन मॉनिटरिंग सिस्टम, रेल ग्राइंडिंग मशीन और एकीकृत ट्रैक निगरानी प्रणाली जैसी आधुनिक निगरानी प्रणालियों से पटरियों की स्थिति का नियमित आकलन किया जाता है।

केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में यह जानकारी देते हुए बताया कि इन उपायों से रेलवे नेटवर्क की विश्वसनीयता, सुरक्षा और तेज गति से ट्रेन संचालन की क्षमता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

# प्रयागराज मण्डल में दिव्यांग कर्मचारियों हेतु प्रशिक्षण एवं जागरूकता महासम्मेलन का आयोजन

सूत्र/रे.स.ब्यू- दिनांक 14.03.2026 को डियर एसोसियेशन डिसेबल्ड एम्पलाइज एसोसिएशन का रेलवे (Disabled^ Employees Association of Railway) की ओर से दिव्यांग ट्रेनिंग एवं प्रशिक्षण महासम्मेलन-2026 का प्रयागराज मंडल सभागार में आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में श्री मुदित चन्द्रा, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी, उत्तर मध्य रेलवे उपस्थित थे। इस दौरान श्री वैभव गुप्ता, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी, प्रयागराज, श्री अवधेश यादव, निजी सचिव -I/ अपर महाप्रबंधक, श्री राधेश्याय वित्त सलाहकार, प्रयागराज, श्री अशोक यादव, अध्यक्ष, डियर, श्री मुकेश गुप्ता, महासचिव, श्री पंकज, सचिव नई दिल्ली तथा श्री उमेश पटेल, जोनल अध्यक्ष, श्री नसीमुद्दीन सिद्दकी जोनल उपाध्यक्ष तथा संतु कुमार मंडल अध्यक्ष, प्रयागराज एवं अन्य पदाधिकारीगण के उपस्थित थे। इस अवसर पर रेलवे के दिव्यांग कर्मचारियों को अपने कामों के प्रति जागरूक किया गया। प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री मुदित चंद्रा ने बताया कि, दिव्यांगों के लिए प्रशिक्षण एवं 03 दिसंबर विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर एक वर्कशॉप का आयोजन किया जायेगा। इस दौरान वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी ने कहा कि, दिव्यांग कर्मचारियों के लिए समय-समय पर ट्रेनिंग का आयोजन होता रहेगा।

Scanned with OKEN Scanner

## उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री राजेश कुमार पांडे ने वाराणसी-व्यासनगर-काशी रेलखंड का निरीक्षण किया, अमृत भारत स्टेशन योजना के कार्यों की समीक्षा

### यात्री सुविधाओं और संरक्षा मानकों को लेकर अधिकारियों को दिए निर्देश

सूत्र/रे.स.ब्यू- उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री राजेश कुमार पांडे ने हाल ही में वाराणसी व्यासनगर काशी रेलखंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण कर रेल पथ की स्थिति, सिग्नलिंग व्यवस्था, संरक्षा मानकों, परिचालन व्यवस्था तथा रेलवे अवसंरचना से जुड़े विभिन्न पहलुओं का विस्तृत अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने रेलखंड पर ट्रैक की गुणवत्ता, परिचालन सुरक्षा और सिग्नलिंग प्रणाली की स्थिति का आकलन किया तथा संबंधित अधिकारियों को संरक्षा और परिचालन व्यवस्था को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए।

अपने दौरे के क्रम में उन्होंने अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत व्यासनगर, काशी और वाराणसी रेलवे स्टेशनों पर चल रहे पुनर्विकास और आधुनिकीकरण कार्यों का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्टेशन परिसरों में किए जा रहे निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की और परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए।

महाप्रबंधक ने स्टेशन परिसरों में विकसित की जा रही आधुनिक यात्री सुविधाओं, प्रतीक्षालयों, स्वच्छ शौचालयों, पेयजल व्यवस्था, डिजिटल सूचना प्रणाली तथा स्टेशन परिसर के सौंदर्यीकरण से जुड़े कार्यों का भी जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ स्टेशन परिसरों को स्वच्छ, सुरक्षित और आधुनिक बनाया जाए। निरीक्षण के दौरान उपस्थित अधिकारियों को परियोजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और यात्रियों की सुविधा को प्राथमिकता देने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।

## दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक द्वारा सिवनी-नैनपुर रेलखंड का निरीक्षण

सूत्र/रे.स.ब्यू- दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने नागपुर मंडल के सिवनी नैनपुर रेलखंड का व्यापक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ट्रैक संरचना, सिग्नलिंग व्यवस्था, स्टेशन सुविधाओं तथा रेल संरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की। महाप्रबंधक ने रेलखंड पर ट्रैक की स्थिति, सिग्नलिंग प्रणाली और स्टेशन परिसरों की व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को रेल अवसंरचना के अनुरक्षण में उच्च मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि नियमित निरीक्षण और समयबद्ध रखरखाव के माध्यम से रेल संरचना को बेहतर बनाए रखा जाए, ताकि रेल परिचालन सुरक्षित, सुचारु और विश्वसनीय बना रहे। निरीक्षण के दौरान संरक्षा मानकों के पालन और यात्रियों को बेहतर रेल सेवाएं उपलब्ध कराने पर विशेष बल दिया गया।

## श्री संजय कुमार श्रीवास्तव, महाप्रबंधक/दमरे की अध्यक्षता में ग्रीष्म काल को देखते हुए संरक्षा पूर्वोपाय की समीक्षा बैठक हुई

सूत्र/रे.स.ब्यू- श्री संजय कुमार श्रीवास्तव, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे की अध्यक्षता में 09 मार्च, 2026 को रेल निलयम, सिकंदराबाद में पूरे जोन में ट्रेन परिचालन की संरक्षा पर विस्तृत बैठक हुई. श्री सत्य प्रकाश, अपर महाप्रबंधक तथा सभी प्रधान विभागध्यक्षों ने बैठक में भाग लिया. सभी छह मंडल अर्थात, विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर, सिकंदराबाद, हैदराबाद और नांदेड़ मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (DRMs)वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से समीक्षा बैठक में शामिल हुए.

श्री संजय कुमार श्रीवास्तव ने आगामी ग्रीष्मकाल को देखते हुए जोन द्वारा की जा रही सावधानियों की समीक्षा की. अधिक तापमान को सहनने के लिए ट्रैक को मजबूत करने पर ध्यान देने तथा ट्रेनों का सुचारु रूप से आवाजाही सुनिश्चत करने हेतु महाप्रबंधक ने संबंधित पदाधिकारियों को सूचित किया. उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को नियमित संरक्षा निरीक्षण करने और जहाँ भी आवश्यक हो, ट्रैक पर बैलास्ट भरने हेतु सलाह दी. इसके अलावा, महाप्रबंधक ने ग्रीष्मकाल के दौरान ट्रेनों में आग लगने की घटनाओं को रोकने के लिए जोन द्वारा चलाए जा रहे फायर सेफ्टी ड्राइव की भी समीक्षा की.

श्री संजय कुमार श्रीवास्तव ने निर्माण स्थलों पर संरक्षा मार्गदर्शी सिद्धांतों और सावधानियों का पालन करने पर भी जोर दिया. उन्होंने पदाधिकारियों को नियमित रूप से जांच करने की सलाह दी ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि कार्य पूरा होने के बाद कोई भी निर्माण संबंधी सामग्री कार्य स्थल पर न छूटे. महाप्रबंधक ने प्राइवेट साइडिंग और गुड्स शेड में सीसीटीवीकैमरों के उपलब्ध कराने का भी जायजा लिया.

## जोधपुर रेलवे स्टेशन पर डिजिटल लॉकर सुविधा से यात्रियों को बड़ी राहत

### मोबाइल नंबर और OTP से लॉकर सक्रिय, QR कोड स्कैन कर आसान ऑनलाइन भुगतान की व्यवस्था

सूत्र/रे.स.ब्यू- जोधपुर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए डिजिटल लॉकर सेवा उपलब्ध कराई गई है, जो यात्रियों के लिए बड़ी राहत साबित हो रही है। डिजिटल लॉकर प्रणाली को उपयोग में लाना बेहद सरल और सुविधाजनक है। यात्री अपने मोबाइल नंबर और OTP के माध्यम से लॉकर को सक्रिय कर सकते हैं, जिससे प्रक्रिया तेज और सुरक्षित बनती है। इसके साथ ही QR कोड स्कैन कर ऑनलाइन भुगतान की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है, जिससे यात्रियों को नकद लेनदेन की आवश्यकता नहीं रहती।

रेलवे प्रशासन के अनुसार यह आधुनिक सुविधा यात्रियों के सफर को अधिक सुविधाजनक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे विशेष रूप से उन यात्रियों को लाभ मिल रहा है, जिन्हें ट्रेन के बीच लंबे अंतराल के दौरान स्टेशन या शहर में जाना होता है और वे अपने सामान की सुरक्षा को लेकर चिंतित रहते हैं।

डिजिटल लॉकर व्यवस्था के माध्यम से जोधपुर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को सुरक्षित, आधुनिक और तकनीक आधारित सुविधा प्रदान की जा रही है, जिससे उनकी यात्रा और भी सुगम बन रही है।

## रेलकर्मियों ने महाप्रबंधक से मुलाकात कर अपनी समस्याओं से अवगत कराया

सूत्र/रे.स.ब्यू- दिनांक 10.03.2026 को मुख्यालय, हाजीपुर में 05 रेलकर्मियों ने पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह से मुलाकात की तथा अपनी समस्याओं से उन्हें अवगत कराया। महाप्रबंधक ने संबंधित विभागों को प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए निर्धारित समय सीमा में केस निष्पादन के निर्देश दिए। विदित हो कि रेलकर्मियों की विभागीय समस्याओं के निष्पादन के उद्देश्य से महाप्रबंधक से मुलाकात हेतु प्रत्येक मंगलवार का दिन निर्धारित किया गया है। इसके लिए रेलकर्मी अपना नाम पूर्व में कार्मिक विभाग में पंजीकृत करवाकर मंगलवार को महाप्रबंधक से मुलाकात कर अपनी समस्याएं उनके सामने रख सकते हैं।

## पटना-थावे रूट पर यात्रियों के लिए बड़ी खुशखबरी: नई फास्ट पैसेंजर ट्रेन सेवा का आगाज

सूत्र/पू.म.रे- यात्रियों की सुविधा और क्षेत्रीय रेल कनेक्टिविटी को मजबूत करने के उद्देश्य से पटना और थावे के मध्य एक नई फास्ट पैसेंजर ट्रेन सेवा शुरू की गई है। इस नई रेल सेवा से बिहार के कई महत्वपूर्ण शहरों और कस्बों के बीच यात्रा अधिक तेज और सुविधाजनक होगी।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, यह फास्ट पैसेंजर ट्रेन मार्ग के विभिन्न स्टेशनों पर रुकते हुए यात्रियों को किफायती और विश्वसनीय यात्रा विकल्प प्रदान करेगी। इस सेवा से विशेष रूप से दैनिक यात्रियों, छात्रों और व्यापार से जुड़े लोगों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर पटना और थावे के मध्य दिनांक 15.03.2026 से एक नई ट्रेन 55515/55516 पटना-थावे-पटना फास्ट पैसेंजर का परिचालन प्रारंभ किया जा रहा है । इस नई ट्रेन का परिचालन पाटलिपुत्र-दीघवारा के रास्ते किया जाएगा। इस नई ट्रेन में सामान्य श्रेणी के 22 कोच एवं एसएलआरडी के 02 कोच सहित कुल 24 कोच होंगे ।

दिनांक 15.03.2026 से प्रतिदिन गाड़ी सं. 55515 पटना-थावे फास्ट पैसेंजर पटना जं. से 12.10 बजे खुलकर 12.13 बजे फुलवारीशरीफ, 12.40 बजे पाटलिपुत्र, 12.52 बजे दीघाब्रिज हाल्ट, 13.50 बजे दीघवारा, 14.55 बजे गोल्डिनगंज सहित अन्य स्टेशनों पर रुकते हुए 19.00 बजे थावे पहुंचेगी ।

वापसी में गाड़ी सं. 55516 थावे-पटना फास्ट पैसेंजर थावे से प्रतिदिन 20.05 बजे खुलकर विभिन्न स्टेशनों पर रुकते हुए अगले दिन 00.40 बजे गोल्डिनगंज, 01.00 बजे दिघवारा, 01.55 बजे दीघाब्रिज हाल्ट, 02.05 बजे पाटलिपुत्र एवं 02.25 बजे फुलवारी शरीफ रुकते हुए 03.20 बजे पटना जं. पहुंचेगी।

## पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल और एक्सिस बैंक के बीच कर्मचारियों के लिए बैंकिंग व बीमा सुविधाओं हेतु समझौता ज्ञापन

सूत्र/रे.स.ब्यू- पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल और एक्सिस बैंक के बीच रेलवे कर्मचारियों को बेहतर बैंकिंग सुविधाएँ और बीमा सुरक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए। इस पहल का उद्देश्य कर्मचारियों को आधुनिक बैंकिंग सेवाओं के साथ-साथ वित्तीय सुरक्षा प्रदान करना है।

MoU के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम के दौरान दो दिवंगत रेल कर्मचारियों के आश्रित परिजनों को 10–10 लाख की वित्तीय सहायता राशि के चेक भी प्रदान किए गए। यह सहायता राशि कर्मचारियों के परिवारों को आर्थिक सहयोग प्रदान करने और उनके भविष्य को सुरक्षित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक श्री वेद प्रकाश ने कहा कि पश्चिम रेलवे और एक्सिस बैंक के बीच हुआ यह समझौता रेल कर्मचारियों और उनके परिवारों के भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि इस पहल से कर्मचारियों को बेहतर बैंकिंग सेवाएं प्राप्त होंगी, साथ ही विपरीत परिस्थितियों में उनके परिजनों के लिए सामाजिक और वित्तीय सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, इस प्रकार की पहल कर्मचारियों के सामाजिक और आर्थिक कल्याण को मजबूत करने के साथ-साथ उनके परिवारों के लिए सुरक्षा और विश्वास का वातावरण तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

## रेलवे बोर्ड के सदस्य (अवसंरचना) श्री विवेक कुमार गुप्ता द्वारा अयोध्या धाम और लखनऊ चारबाग स्टेशन का निरीक्षण

सूत्र/रे.स.ब्यू- रेलवे बोर्ड के सदस्य (अवसंरचना) श्री विवेक कुमार गुप्ता ने हाल ही में अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने स्टेशन पर विकसित किए जा रहे एयर कॉन्कोर्स, यात्री आश्रय तथा कमांड सेंटर का अवलोकन किया और स्टेशन पर चल रहे विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

अपने दौरे के क्रम में श्री विवेक कुमार गुप्ता ने लखनऊ चारबाग रेलवे स्टेशन का भी दौरा किया। यहां उन्होंने स्टेशन पर वर्तमान में चल रहे विभिन्न

निर्माण एवं अवसंरचना विकास कार्यों की प्रगति पर अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की तथा परियोजनाओं के समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण और अवसंरचना विकास यात्रियों को सुरक्षित, सुगम और आधुनिक सुविधाएं प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों को कार्यों की नियमित निगरानी और प्रभावी समन्वय के माध्यम से परियोजनाओं के सफल क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

Scanned with OKEN Scanner

# अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस एक वैश्विक स्वास्थ्य उत्सव के रूप में विकसित हुआ

## योग मानसिक स्पष्टता, शारीरिक स्वास्थ्य और भावनात्मक संतुलन के लिए एक शक्तिशाली अनुशासन है - केंद्रीय आयुष मंत्री

सूत्र/रे.स.ब्यू- आयुष मंत्रालय के स्वतंत्र प्रभार केंद्रीय राज्य मंत्री और स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण मंत्रालय के राज्य मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने नई दिल्ली में योग महोत्सव-2026 का शुभारंभ किया। यह अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) 2026 के 12वें संस्करण की 100 दिन की उलटी गिनती का प्रतीक है। इस अवसर पर केन्दीय मंत्री ने विभिन्न आयु वर्ग और स्वास्थ्य स्थितियों वाले व्यक्तियों के लिए तैयार किए गए ''गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) और लक्षित समूहों के लिए 10 योग प्रोटोकॉल'' का शुभारंभ किया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के लिए नोडल मंत्रालय आयुष मंत्रालय ने वैश्विक भागीदारी में निरंतर वृद्धि के साथ ग्यारह संस्करणों का सफलतापूर्वक आयोजन किया है। योग महोत्सव-2026 12 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की ओर 100 दिनों की यात्रा का औपचारिक शुभारंभ है। इसका उद्देश्य योग के विविध आयामों को बढ़ावा देना और स्वास्थ्य, कल्याण और शांति के लिए एक वैश्विक आंदोलन को प्रेरित करना है।

केंद्रीय मंत्री ने सभा को संबोधित करते हुए कहा की "पिछले ग्यारह वर्षों में, माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस एक वैश्विक स्वास्थ्य उत्सव के रूप में विकसित हुआ है। योग केवल एक जीवनशैली नहीं है बल्कि एक शक्तिशाली अनुशासन है। यह मानसिक स्पष्टता, शारीरिक स्वास्थ्य और भावनात्मक संतुलन को बढ़ावा देता है। इसके लाभों ने लाखों लोगों को महामारी जैसे चुनौतीपूर्ण समय में भी लचीलापन और कल्याण बनाए रखने में मदद की है।"

गैर-संक्रामक रोगों और लक्षित समूहों के लिए 10 योग प्रोटोकॉल शुरू करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ये प्रोटोकॉल विभिन्न आयु समूहों और जीवन के विभिन्न चरणों के लोगों के लिए तैयार किए गए हैं। इससे वे अपने स्वास्थ्य के लिए अधिक जिम्मेदारी ले सकेंगें, शारीरिक और मानसिक लचीलापन बढ़ा सकेंगें और जीवन की समग्र गुणवत्ता में सुधार कर सकेंगें। हाल ही में आयोजित बजट के बाद के वेबिनार का जिक्र करते हुए केंद्रीय मंत्री ने याद दिलाया कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने निवारक और समग्र स्वास्थ्य देखभाल के प्रति भारत के दृष्टिकोण पर बल दिया था और कहा था कि योग और आयुर्वेद इस दृष्टिकोण के आवश्यक स्तंभ हैं।

केंद्रीय मंत्री ने ''हवाई यात्रा के लिए योग'' प्रोटोकॉल का भी शुभारंभ किया। यह विशेष रूप से तैयार किया गया पांच मिनट का एक कार्यक्रम है जिसमें बैठकर योगासन, श्वास व्यायाम और संक्षिप्त ध्यान शामिल हैं। विशेषज्ञों द्वारा विकसित इस प्रोटोकॉल का उद्देश्य हवाई यात्रा के दौरान यात्रा संबंधी तनाव को कम करना, रक्त संचार में सुधार करना, मांसपेशियों की तकलीफ को दूर करना और मानसिक शांति को बढ़ावा देना है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 की 100 दिन की उलटी गिनती के हिस्से के रूप में, मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनआईवाई) ने योगा 365 अभियान के अंतर्गत हैबिल्ड के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इसमें प्रतिदिन निःशुल्क ऑनलाइन योग सत्र प्रदान किए जाएंगे।

इस पहल पर केंद्रीय मंत्री ने कहा की ''योग 365 का उद्देश्य व्यक्तियों को योग को दैनिक आदत के रूप में अपनाने में मदद करना है। इससे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 से पहले निरंतर अभ्यास और गहन सहभागिता को प्रोत्साहन मिलेगा।'' कार्यक्रम के दौरान सौरभ बोथरा ने प्रतिभागियों के साथ 1800-315-7008 का टोल-फ्री नंबर साझा किया ताकि योगा 365 अभियान के लिए ऑनलाइन पंजीकरण हो सके। आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने योग की पहुंच बढ़ाने के लिए कई डिजिटल पहलों का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि मंत्रालय ने आयुष ग्रिड के माध्यम से एक एआई-आधारित उपकरण विकसित किया है। यह योगासन करते समय योग अभ्यासकर्ताओं को उनकी मुद्राओं को सही करने में मार्गदर्शन करेगा।

श्री सचिव ने कहा कि योग की वैश्विक लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है और वर्ष 2025 के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में 26 करोड़ से अधिक लोगों की भागीदारी इस आंदोलन की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि योग को अधिक सुलभ बनाने के लिए, एडवांस्ड वाई-ब्रेक जैसे पाठ्यक्रम कर्मयोगी भारत पर उपलब्ध कराए गए हैं। यहां 10 लाख से अधिक प्रतिभागी पहले ही पंजीकरण करा चुके हैं।

इस अवसर पर एस-व्यासा सोसाइटी के अध्यक्ष एच आर नागेंद्र ने जीवनशैली संबंधी विकारों और गैर-संक्रामक रोगों के निवारण में योग के बढ़ते महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि योग एक प्रभावी निवारक और उपचारात्मक उपाय सिद्ध हो चुका है और इसलिए इसे समाज के सभी स्तरों पर एकीकृत किया जाना चाहिए।

गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत करते हुए आयुष मंत्रालय की संयुक्त सचिव मोनालिसा डैश ने कहा की "योग भारत की ओर से विश्व को दिए गए सबसे महान उपहारों में से एक है। यह एक समग्र दर्शन का प्रतिनिधित्व करता है जो मन, शरीर और आत्मा में सामंजस्य स्थापित करता है।"

दिन की शुरुआत सुबह 7 बजे मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान में कॉमन योगा प्रोटोकॉल (सीवाईपी) के लाइव प्रदर्शन से हुई। इसमें एक हजार से अधिक योग प्रेमियों ने भाग लिया। सीवाईपी में योगासन, प्राणायाम और ध्यान अभ्यासों की एक श्रृंखला शामिल है। यह लचीलापन, शक्ति, संतुलन और आंतरिक सद्भाव में सुधार लाने में योगदान देती है।

मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान के निदेशक ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया और प्रतिभागियों को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 से पहले आयोजित होने वाले आगामी कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। योग महोत्सव-2026 में योग गुरुओं, विद्वानों, नीति निर्माताओं, नौकरशाहों, कॉर्पोरेट पेशेवरों, योग अभ्यासकर्ताओं और संबद्ध विज्ञानों के विशेषज्ञों सहित लगभग 1,500 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

योग महोत्सव 2026 समग्र स्वास्थ्य और कल्याण की दिशा में एक नए वैश्विक आंदोलन का मंच तैयार करता है। कर्तव्य पथ से लेकर संयुक्त राष्ट्र तक, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस ने वैश्विक स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने में भारत के नेतृत्व को मजबूत किया है। जैसे-जैसे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 की उलटी गिनती शुरू हो रही है। आयुष मंत्रालय ने विश्व स्तर पर योग के संदेश को फैलाने और लाखों लोगों को स्वस्थ और खुशहाल जीवन के लिए इस शाश्वत अभ्यास को अपनाने के लिए प्रेरित करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया है।

**एक दिन के योग महोत्सव-2026 में तीन विषयगत तकनीकी सत्र आयोजित किए गए:**

- वृद्धजनों के लिए योग
- योग उद्यमिता के लिए व्यावसायिक मॉड्यूल
- योग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

# केंद्रीय मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने जेप्टो प्लेटफॉर्म पर समर्पित आयुष स्टोर का उद्घाटन किया

## लॉन्च का उद्देश्य आयुष उत्पादों की डिजिटल दृश्यता और उपभोक्ता पहुंच का विस्तार करना।

सूत्र/रे.स.ब्यू-माननीय केंद्रीय मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने आयुष सचिव वैद्य राजेश कोटेचा के साथ मिलकर क्विक-कॉमर्स प्लेटफॉर्म जेप्टो पर समर्पित आयुष स्टोर का उद्घाटन किया। यह पहल आयुष निर्यात संवर्धन परिषद (AYUSHEXCIL) और जेप्टो के बीच चल रहे सहयोग का हिस्सा है, जो पारंपरिक भारतीय कल्याण उत्पादों की डिजिटल उपस्थिति और उपभोक्ता पहुंच को बढ़ाने के लिए है।

यह समर्पित स्टोरफ्रंट प्रामाणिक आयुष उत्पादों की एक क्यूरेटेड रेंज को एक साथ लाता हैं जो जेप्टो की डिजिटल प्लेटफॉर्म और डिलीवरी नेटवर्क के माध्यम से उपभोक्ताओं के लिए आसानी से खोजने योग्य बनाता है। इस अवसर पर बोलते हुए श्री प्रतापराव जाधव ने कहा, "यह संयुक्त प्रयास माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 'वोकल फॉर लोकल' को बढ़ावा देने और भारत को कल्याण तथा पारंपरिक चिकित्सा का वैश्विक केंद्र बनाने के दृष्टिकोण से पूरी तरह मेल खाता है।

आयुष उत्पादों की डिजिटल पहुंच का विस्तार निर्माताओं और चिकित्सकों को आधुनिक उपभोक्ताओं से जोड़ेगा, साथ ही भारत के स्वदेशी कल्याण क्षेत्र को मजबूत करने के व्यापक दृष्टिकोण का समर्थन करेगा। इसके अलावा, केंद्रीय मंत्री ने जेप्टो का धन्यवाद दिया, जो एक युवा भारतीय स्टार्टअप है, इस विचार को आयुष क्षेत्र के प्रचार के लिए प्रस्तुत करने के लिए, अपनी तकनीक का उपयोग करके इस उच्च प्राथमिकता वाले राष्ट्रीय पहल को समर्थन देकर और आर्थिक विकास को गति देने के लिए।

"आयुष सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने कहा कि यह लॉन्च पारंपरिक कल्याण प्रणालियों को समकालीन डिजिटल वाणिज्य प्लेटफॉर्म्स के साथ एकीकृत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो समग्र स्वास्थ्य समाधानों की तलाश करने वाले उपभोक्ताओं के लिए अधिक दृश्यता और सुविधा प्रदान करता है।

इस साझेदारी पर टिप्पणी करते हुए जेप्टो के मुख्य नीति अधिकारी श्री रचित रंजन ने कहा, "एक युवा भारतीय स्टार्टअप के रूप में, हमारी मुख्य प्रतिबद्धता अपनी तकनीक और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क का उपयोग करके पूरे आयुष श्रेणी के लिए पहुंच को बदलना है। पिछले कुछ महीनों में, हमने रोजमर्रा के कल्याण उत्पादों के लिए उपभोक्ता खोजों और ऑर्डर में निरंतर वृद्धि देखी है।

एक समर्पित आयुष स्टोरफ्रंट बनाना इन उत्पादों को खोजने और पहुंचने में आसान बनाने का स्वाभाविक अगला कदम था। हम आयुष मंत्रालय के साथ काम करके प्रसन्न हैं ताकि विश्वसनीय भारतीय कल्याण परंपराओं को आधुनिक डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाया जा सके और क्षेत्र को डिजिटाइज करने तथा विस्तार देने के व्यापक प्रयास का समर्थन किया जा सके।

आयुष स्टोरफ्रंट समग्र स्वास्थ्य के लिए मिनटों में डिलीवर होने वाली एक महत्वपूर्ण छलांग है।"नई साझेदारी में जेप्टो द्वारा अपनी ग्राहक आधार के बीच आयुष क्षेत्र को और लोकप्रिय बनाने के लिए कई गतिविधियां करने की योजना है। इसके अलावा, यह पहल आयुष निर्माताओं को अपनी डिजिटल उपस्थिति बढ़ाने में मदद करेगी, जबकि उपभोक्ताओं को पारंपरिक कल्याण उत्पादों तक सुविधाजनक पहुंच प्रदान करेगी।

# आयुष अनुसंधान में नैतिक समीक्षा के लिए एक नया मानदंड स्थापित करते हुए, सीसीआरएएस की केंद्रीय नैतिकता समिति (सीईसीसीसीआरएएस) का एसआईडीसीईआर-एफईआरसीएपी द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मूल्यांकन किया गया

सूत्र/रे.स.ब्यू-भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के तहत केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसन्धान परिषद् (सीसीआरएएस) की केंद्रीय नैतिकता समिति (सीईसी) का 9 से 12 मार्च 2026 तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त नैतिकता प्रत्यायन निकाय - एशियाई और पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में नैतिक समीक्षा समितियों के मंच (एफईआरसीएपी) के तत्वावधान में रणनीतिक नैतिक समीक्षा क्षमता विकास पहल (एसआईडीसीईआर) द्वारा बाहरी मूल्यांकन किया गया।

सर्वेक्षण दल में दो अंतरराष्ट्रीय सर्वेक्षक और तीन भारतीय सर्वेक्षक शामिल थे, जिन्होंने समिति की नैतिक समीक्षा प्रक्रियाओं और परिचालन मानकों का व्यापक मूल्यांकन किया।

एसआईडीसीईआर-एफईआरसीएपी फाउंडेशन अंतरराष्ट्रीय सहयोग और क्षमता निर्माण के माध्यम से स्वास्थ्य अनुसंधान के नैतिक आचरण को सुदृढ़ करने के लिए समर्पित है। इसकी कठोर मूल्यांकन प्रक्रिया नैतिकता समितियों को वैश्विक, राष्ट्रीय और स्थानीय मानकों के अनुरूप परखती है, जिससे निरंतर गुणवत्ता सुधार को बढ़ावा मिलता है और मानव अनुसंधान प्रतिभागियों की सुरक्षा बढ़ती है।

अब तक, समकालीन चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र से संबंधित 17 भारतीय संस्थानों की समीक्षा एसआईडीसीईआर-एफईआरसीएपी सर्वेक्षण टीम द्वारा की जा चुकी है। विशेष रूप से, सीसीआरएएस की केंद्रीय आचार समिति आयुष क्षेत्र से इस प्रतिष्ठित मूल्यांकन को करने वाली पहली नैतिकता समिति बन गई है।

यह महत्वपूर्ण पहल सीसीआरएएस की नैतिक समीक्षा प्रक्रियाओं की गुणवत्ता, पारदर्शिता और जवाबदेही को और बेहतर बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उम्मीद है कि इस प्रयास से आयुष अनुसंधान प्रणाली में नैतिकता के शासन के मानकों को अंतरराष्ट्रीय स्तर तक ऊंचा उठाया जाएगा और यह अन्य प्रमुख आयुष संस्थानों के लिए एक अनुकरणीय मॉडल के रूप में कार्य करेगा।

Scanned with OKEN Scanner

# मिज़ोरम में खाद्यान्न आपूर्ति श्रृंखला में महत्वपूर्ण कदम: पंजाब से सैरांग तक 25,900 क्विंटल चावल रेल से पहुंचा, खाद्य आपूर्ति में सुधार हुआ

## सैरांग में एफसीआई मालगाड़ी के पहुंचने से परिचालन क्षमताओं में वृद्धि हुई है और मिज़ोरम के लॉजिस्टिक्स और खाद्य वितरण नेटवर्क को मजबूती मिली है

सूत्र/रे.स.ब्यू- मिजोरम में यात्री और मालगाड़ी सेवाओं की शुरुआत के साथ यात्री परिवहन और माल ढुलाई में महत्वपूर्ण परिवर्तन आया है। इस क्षेत्र में विकास होने से पर्यटन बढ़ने के साथ-साथ संपर्क में सुधार हुआ है और आर्थिक विकास में भी योगदान मिला है। एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में, भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) की पहली खाद्यान्न मालगाड़ी 3 मार्च, 2026 को सैरांग रेलवे स्टेशन पर पहुंची। इस मालगाड़ी में पंजाब से लगभग 25,900 क्विंटल चावल से भरे 42 डिब्बे थे। यह राज्य में रेल आधारित माल ढुलाई संपर्क को मजबूत करने और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति श्रृंखला को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सैरांग में एफसीआई की खाद्यान्न मालगाड़ी के सफलतापूर्वक पहुंचने से बढ़ती परिचालन क्षमता का पता चलता है। इससे मिजोरम के रसद एवं खाद्य वितरण नेटवर्क को सहयोग देने में रेलवे अवसंरचना की बढ़ती भूमिका स्पष्ट होती है।

यह उल्लेख करना आवश्यक है कि 13 सितंबर, 2025 को माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 51.38 किलोमीटर लंबी बैराबी-सैरांग रेलवे लाइन का उद्घाटन मिजोरम के लोगों के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि थी। इस महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजना ने राज्य की राजधानी आइजोल को भारत के रेलवे मानचित्र पर ला खड़ा किया है। इससे राज्य सीधे राष्ट्रीय रेलवे नेटवर्क से जुड़ गया है। परिवहन में सुधार के अलावा, इस नई रेल लाइन से आर्थिक विकास के महत्वपूर्ण अवसर पैदा होने और पूरे क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

### मिजोरम में माल ढुलाई का प्रदर्शन

बैराबी-सैरांग खंड पर माल ढुलाई परिचालन चालू होने के बाद इसमें उल्लेखनीय गति आई है। यह उल्लेखनीय है कि उद्घाटन के तुरंत बाद 21

सीमेंट से भरे डब्बों वाली पहली मालगाड़ी को सफलतापूर्वक सैरांग ले जाने से राज्य में नियमित माल ढुलाई की शुरुआत हुई। अप्रैल 2025 से मार्च 2026 तक, सैरांग टर्मिनल ने 30 से अधिक मालगाड़ियों का संचालन किया गया। यह मिजोरम में रेल आधारित माल ढुलाई के क्रमिक विकास को दर्शाता है। इस अवधि के दौरान, टर्मिनल पर 3.5 रेक सीमेंट उतारी गई। सीमेंट के अलावा, रेल द्वारा संचालित अन्य वस्तुओं में ऑटोमोबाइल (2 रेक), उर्वरक (0.5 रेक), पत्थर के टुकड़े (20.5 रेक) और रेत (4 रेक) शामिल हैं। इन विविध वस्तुओं का संचालन सैरांग के एक उभरते माल ढुलाई केंद्र के रूप में बढ़ते उपयोग को दर्शाता है। यह बुनियादी ढांचे के विकास में सहयोग करता है और राज्य में निर्माण सामग्री और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति में सुधार करता है।

गौरतलब है कि दिसंबर 2025 में सैरांग में 119 यात्री वाहनों को ले जाने वाली पहली मालगाड़ी पहुंची थी। इससे रेलवे लाइन की उच्च मूल्य वाले थोक माल को संभालने की क्षमता का पता चलता है। भारतीय रेलवे ने पार्सल लॉजिस्टिक्स को मजबूत करने के लिए भी कई उपाय शुरू किए हैं। इनमें बागवानी और नाशवान उत्पादों के परिवहन को सुविधाजनक बनाने के लिए रेफ्रिजरेटेड पार्सल वैन सेवाओं की शुरुआत शामिल है। इसका उद्देश्य स्थानीय किसानों और व्यापारियों के लिए बाजार तक पहुंच का विस्तार करना है।

### मिजोरम में पर्यटन को गति मिल रही है

मिजोरम में नवनिर्मित रेलवे लाइन ने पर्यटन को बढ़ावा दिया है, इसके फलस्वरूप पिछले छह महीनों में राज्य में पर्यटकों की संख्या में लगातार वृद्धि देखी गई है। 12 फरवरी 2026 को ''नॉर्थ ईस्ट डिस्कवरी'' सर्किट के तहत भारत गौरव डीलक्स एसी पर्यटक ट्रेन पहली बार सैरांग रेलवे स्टेशन पर पहुंची तो मिजोरम में रेलवे सेवाओं ने एक नया मुकाम हासिल किया।

भारत के विभिन्न हिस्सों के साथ-साथ अमेरिका और नेपाल जैसे अन्य देशों से आए 81 पर्यटकों को ले जा रही यह प्रीमियम पर्यटक ट्रेन, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर मिजोरम की बढ़ती लोकप्रियता को रेखांकित करती है। बेहतर पहुंच ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित किया है। इससे आतिथ्य और संबद्ध क्षेत्रों में रोजगार सृजन हो रहा है। पर्यावरण-पर्यटन और सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ समावेशी विकास और क्षेत्रीय एकीकरण की व्यापक दृष्टि के तहत पूर्वोत्तर में मिजोरम एक उभरते हुए पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित हो रहा है।

### यात्रियों की संख्या में वृद्धि

सितंबर 2025 में बैराबी-सैरांग मार्ग पर रेल सेवाओं के प्रारंभ होने के बाद से, जनता की प्रतिक्रिया जबरदस्त रही है। सैरांग-आनंद विहार राजधानी एक्सप्रेस में दोनों दिशाओं में 150 प्रतिशत से अधिक सीटें भरी गई हैं। इसी प्रकार, सैरांग-गुवाहाटी एक्सप्रेस और सैरांग-कोलकाता एक्सप्रेस में भी 100 प्रतिशत से अधिक सीटें भरी गई हैं। इससे, सैरांग से रेल सेवाओं की मजबूत मांग और जनता की व्यापक स्वीकृति का स्पष्ट रूप से पता चलता है। 9 फरवरी 2026 को, सैरांग से सिलचर के लिए एक नई रेल सेवा को हरी झंडी दिखाकर शुरू किया गया। इससे क्षेत्रीय परिवहन को और मजबूती मिली और मिजोरम असम की महत्वपूर्ण शैक्षिक, चिकित्सा और वाणिज्यिक केंद्र बराक घाटी से जुड़ गया।

रेल संपर्क का विस्तार मिजोरम के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। परिवहन में सुधार, आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और पर्यटन को प्रोत्साहित करने में रेलवे राज्य के परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। बुनियादी ढांचे के निरंतर विकास के साथ, मिजोरम उत्तर-पूर्वी भारत में एक सुलभ और आकर्षक पर्यटन स्थल के रूप में उभर रहा है।

# अमृत भारत स्टेशन योजना देशभर में तेजी से प्रगति कर रही है, एक महीने में 8 और स्टेशनों का पुनर्निर्माण हुआ, कुल संख्या अब 180 हो गई है

सूत्र/रे.स.ब्यू- भारतीय रेलवे की अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देशभर में रेलवे स्टेशनों के आधुनिकीकरण और पुनर्विकास का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। पिछले एक महीने में 8 और स्टेशनों का पुनर्निर्माण पूरा होने के बाद कुल 180 स्टेशनों का विकास कार्य पूर्ण हो चुका है। हाल ही में पुनर्विकसित हुए स्टेशनों में केरल में अंगमाली फॉर कालाडी, फेरोक, नीलांबुर रोड और त्रिपुनिथुरा, मध्य प्रदेश में छिंदवाड़ा, तमिलनाडु में माम्बलम, आंध्र प्रदेश में निदादावोलु जंक्शन तथा तेलंगाना में रामागुंडम शामिल हैं।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकसित किए जा रहे स्टेशनों में आधुनिक स्टेशन भवन, प्लेटफॉर्म शेल्टर, फुट ओवर ब्रिज, प्रतीक्षा कक्ष, स्वच्छ शौचालय, लिफ्ट, एस्केलेटर, पार्किंग, दिव्यांगजन सुविधाएं और यात्री व माल ढुलाई से जुड़ी आधुनिक व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इन सुविधाओं के माध्यम से रेलवे देश में रेल यात्रा के अनुभव को अधिक सुरक्षित, सुविधाजनक और आधुनिक बनाने का प्रयास कर रहा है।

रेल मंत्रालय ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाते हुए 1,337 स्टेशनों की पहचान इस योजना के तहत विकास के लिए की है। इन स्टेशनों पर पुनर्विकास और उन्नयन कार्य चरणबद्ध तरीके से किए जा रहे हैं और कई स्थानों पर निर्माण कार्य तेजी से प्रगति पर है। भारतीय रेलवे ने हाल के वर्षों में अपनी परियोजना कार्यान्वयन क्षमता में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। रेलवे का सकल बजटीय आवंटन वित्त वर्ष 2014-15 में ₹32,300 करोड़ से बढ़कर 2025-26 में ₹2,52,200 करोड़ हो गया है, जो लगभग आठ गुना वृद्धि को दर्शाता है।

बजट उपयोग के आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 में ₹2,52,200 करोड़ के कुल आवंटन का 100% उपयोग किया गया, जबकि वित्त वर्ष 2025-26 में 9 मार्च 2026 तक लगभग 97% बजट का उपयोग किया जा चुका है। इससे रेलवे की परियोजनाओं के क्रियान्वयन और वित्तीय उपयोग क्षमता में सुधार दिखाई देता है।

देशभर में कई राज्योंजैसे छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, कर्नाटक, महाराष्ट्र और राजस्थानेंमें अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत बड़ी संख्या में स्टेशनों का विकास किया जा रहा है। विभिन्न स्थानों पर स्टेशन भवनों का निर्माण, प्लेटफॉर्म उन्नयन, फुट ओवर ब्रिज, पार्किंग, प्रतीक्षा क्षेत्रों और अन्य यात्री सुविधाओं से जुड़े कार्य पूर्ण हो चुके हैं या प्रगति पर हैं। रेलवे के अनुसार स्टेशनों का विकास, पुनर्विकास और आधुनिकीकरण एक सतत प्रक्रिया है और यह कार्य स्टेशन की श्रेणी, यातायात की मात्रा, स्थानीय आवश्यकताओं और उपलब्ध संसाधनों के आधार पर प्राथमिकता के साथ किया जाता है।

## संपादकीय

### नवसंकल्प और शक्ति का पावन पर्व: नवरात्र एवं भारतीय नववर्ष की मंगलकामनाएँ

**चैत्र मास के साथ भारतीय परंपरा में एक नए समय चक्र की शुरुआत होती है। नवरात्र का पावन पर्व और इसके साथ प्रारंभ होने वाला भारतीय नववर्ष केवल धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि आस्था, आत्मचिंतन और नवसंकल्प का संदेश भी देता है। यह अवसर हमें अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ते हुए जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और नए उत्साह के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।**

**नवरात्र के नौ दिनों में माँ दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों की आराधना शक्ति, साहस और धैर्य के महत्व को दर्शाती है। यह पर्व हमें यह स्मरण कराता है कि सत्य, सदाचार और सकारात्मक विचार ही जीवन की वास्तविक शक्ति हैं। वहीं भारतीय नववर्ष प्रकृति के नवजीवन और नई संभावनाओं का प्रतीक है, जो हमें व्यक्तिगत और सामूहिक प्रगति के लिए नए संकल्प लेने की प्रेरणा देता है।**

**इस पावन अवसर पर रेल समाचार ब्यूरो की ओर से सभी पाठकों को नवरात्र और भारतीय नववर्ष की अनंत शुभकामनाएँ। कामना है कि यह शुभ समय आप सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और नई ऊर्जा लेकर आए।**

**पाठकों से अनुरोध**

विगत वर्षों की भाँति आगामी वर्ष के लिए अपनी रेल समाचार ब्यूरो पत्रिका को सुरक्षित करने के लिए वार्षिक सदस्यता शुल्क शीघ्र भेजने की कृपा करें, जिससे उक्त पत्रिका आपको नियमित भेजी जा सके।

सहयोग राशि:

१. उच्चतम अधिकारी-5000 रु. मात्र
२. उच्च अधिकारी- 3500 रु. मात्र
३. अधीनस्थ अधिकारी-2500 रु. मात्र
४. रेलकर्मी/अन्य सदस्य-1000 रु. मात्र

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव

पंजीकृत कार्यालय

502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर, कीडगंज प्रयागराज-211003 से प्रकाशित।

कैंप कार्यालय- अनिल कैन (रिपोर्टर) कार्यालय 8439 आर्य नगर पहाड़गंज दिल्ली-55

**समस्त प्रकार के कानूनी मामलों का न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा**

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी
ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
दि. इलाहाबाद ब्लॉक वर्क्स प्रा. लि.
329/255 चक, जीरो रोड इलाहाबाद से मुद्रित एवं 502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर, कीडगंज प्रयागराज-211003 से प्रकाशित।
आर.एन. आई नं. 51097-90 पोस्ट ए.डी.-8
मो. 9773946044 / 9793956044
फोन नं. 0532-2418040

# उत्तर पश्चिम रेलवे पर कुल 5561 किलोमीटर रेल मार्ग में टक्कररोधी कवच प्रणाली का कार्य लगभग 2300 करोड़ की लागत से स्वीकृत

## 1556 किलोमीटर रेल मार्ग पर कार्य तीव्र गति से प्रगति पर

सूत्र/रे.स.ब्यू-रेलवे द्वारा सरंक्षा को सदैव प्राथमिकता दी जाती है। रेलवे संरक्षित रेल संचालन के लिए प्रतिबद्ध है। संरक्षित रेल संचालन के लिए रेलवे द्वारा अत्याधुनिक तकनीक व नवाचरों का उपयोग किया जा रहा है। संरक्षित रेल संचालन में अत्याधुनिक और अपग्रेड सिगनल प्रणाली की अहम भूमिका है। उत्तर पश्चिम रेलवे पर संरक्षा सुदृढ़ करने के लिए टक्कररोधी प्रणाली कवच प्रणाली का कार्य प्रगति पर है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री अमित सुदर्शन के अनुसार उत्तर पश्चिम रेलवे के 5561 किलोमीटर रेल मार्ग में लगभग 2300 करोड़ रूपए की लागत के साथ स्वदेशी कवच प्रणाली का कार्य स्वीकृत है। उत्तर पश्चिम रेलवे के सभी मण्डलों में कवच प्रणाली स्थापित करने के कार्य को स्वीकृति प्रदान की गई है। रेल संचालन में संरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए अत्याधुनिक कवच 4.0 प्रणाली स्थापित की जाएगी।

उत्तर पश्चिम रेलवे में 1586 रेल किलोमीटर रेल मार्ग पर ऑप्टिकल फाइबर केबल कार्य के लिए टेंडर जारी किया जा चुके है तथा इसका लगभग 56 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। इसके साथ ही स्टेशन कवच के लिए भी टेंडर जारी किया जा चुके है तथा सर्वे और ड्राइंग तैयार करने के कार्य प्रगति पर है। इस प्रणाली के अंतर्गत कुल 250 टावरों की स्थापना की जानी है, जिनमें से 221 टावरों का कार्य वर्तमान में प्रगति पर है।

Scanned with OKEN Scanner

# Women's Day

## Ministry of Railways Celebrates International Women's Day at Rail Bhawan with Awards and Health Check-up Camp

**Source/RSB-** The Ministry of Railways marked International Women's Day with a special celebration at Vichar (Conference Hall) in Rail Bhawan, New Delhi, bringing together around 350 women officials to acknowledge the achievements of women employees and reinforce the commitment to gender equality within the organisation.

The event was presided over by Chairman & Chief Executive Officer, Railway Board, Shri Satish Kumar as the Chief Guest, while Member (Finance), Railway Board, Ms. Manjusha Jain attended as the Guest of Honor. The programme featured several activities aimed at promoting women's empowerment and engagement, including a skit, health talk, yoga demonstration, dance and song performances, quizzes and fun games.

During the function, Merit Certificates and Cash Awards were presented to women employees who excelled in competitions organised earlier on 26 February 2026. In the Essay Competition, the first prize was awarded to Ms. Alice R. Tirkey, Director; the second prize went to Ms. Sunita Swami, Assistant Section Officer; and the third prize was secured by Ms. Rashmi Saini, Stenographer.

In the Pot Decoration Competition, Ms. Khushboo Varshney, Personal Assistant, won the first prize, while the second prize was awarded to Ms. Neetu Verma, Personal Assistant, and the third prize went to Ms. Harshita Singh, Personal Assistant. Awards for Best Sports Women were also announced. The first prize was presented to Ms. Bidhisha Bhattacharjee, Statistical Inspector, followed by Ms. Deepa Arora, Private Secretary, who received the second prize, and Ms. Chanchal Rani, Junior Secretariat Assistant, who secured the third prize. In the Best Cultural Artists category, the first prize was awarded to Ms. Shivangi Tomar, Stenographer. The second prize was shared by Ms. J. Nirupama, Principal Staff Officer; Ms. G. Vijaya Lakshmi, Principal Private Secretary; and Ms. Nidhi Chauhan, Personal Assistant. The third prize was awarded to Ms. Neha Mann, Section Officer.

As part of the International Women's Day initiatives, a special health check-up camp was organised on 9 March 2026 exclusively for women officials of the Railway Board's office in collaboration with Northern Railway Central Hospital. The health camp witnessed participation from 116 women employees who availed themselves of the medical facilities provided during the programme.

## RITES Marks International Women's Day with Interactive Session by Lt. Commander Deepa Singh

**Source/RSB-** RITES celebrated International Women's Day with an inspiring interactive session featuring Lt. Commander Deepa Singh of the Indian Navy. During the session, she shared insights from her journey in service to the nation and spoke about the importance of goal-setting, self-belief, and determination.

The session highlighted her experiences and encouraged participants to pursue their goals with confidence and perseverance, making the event a meaningful part of the organisation's International Women's Day celebrations.

## DFCCIL Celebrates International Women's Day 2026 with Women Employees at Corporate Office

**Source/RSB-** DFCCIL celebrated International Women's Day 2026 with its women employees at the Corporate Office, with Ms. Jaya Varma Sinha, Information Commissioner and former CRB & CEO, attending as the Chief Guest. She holds the distinction of being the first woman to lead the Railway Board in its 118-year history, inspiring generations of women across the railway & infrastructure sectors.

Welcoming the Chief Guest and extending his wishes to all women employees, Sh. Praveen Kumar, MD/DFCCIL, highlighted the growing role of women across the organization. He noted that more women engineers are now leading Track, TRD, and S&T projects and are contributing to asset maintenance across the Western and Eastern Dedicated Freight Corridors.

He also shared that DFCCIL's Operation Control Centres, which serve as the nerve centres of corridor operations, are increasingly staffed by women professionals who manage heavy-haul train movements with notable precision and expertise. The event was attended by Sh. Shobhit Bhatnagar, Director/OP & BD; Sh. Rahul Kapoor, Director/Finance; Sh. Parmod Kumar, CVO, along with other senior officers of DFCCIL.

## RailTel Celebrates International Women's Day with Women Employees Across the Organisation

**Source/RCIL-** RailTel celebrated International Women's Day with enthusiasm and a spirit of togetherness, bringing women employees from across the organisation together to mark the occasion. The celebration was graced by Smt. Vijaya Lakshmi Kaushik, former Additional Member (Signal), Railway Board, and former PED/NR/RailTel, who delivered an inspiring address & shared insights from her journey in the technically demanding field of signalling and telecommunications. Directors of RailTel also shared words of encouragement during the event, appreciating the contributions of women employees and reaffirming the organisation's commitment to a supportive and inclusive workplace. The celebration included engaging team-building activities that created a lively and positive atmosphere for participants.

The event highlighted RailTel's commitment to fostering an environment where women employees can grow, lead, and inspire within the organisation.

## Managing Director, DMRC Honoured with India Water Foundation Leadership Award

**Source/DMRC-** The Managing Director of the Delhi Metro Rail Corporation (DMRC), Dr. Vikas Kumar, has been honoured with the prestigious "Leadership Award" by the India Water Foundation. The award recognises his outstanding leadership and contributions towards sustainable infrastructure development & responsible resource management.

The recognition has been conferred by the India Water Foundation, an organisation supported by the United Nations Economic and Social Commission for Asia and the Pacific (ESCAP), NITI Aayog, and several Ministries of the Government of India.

Dr. Vikas Kumar has been acknowledged for his leadership in promoting environmentally responsible practices within urban transport systems.

## IRFC declares second interim dividend for FY 2025–26

Indian Railway Finance Corporation (IRFC) has officially declared a second interim dividend of ₹1.05 per share for the financial year 2025–26. This move continues the corporation's track record of delivering consistent value to its stakeholders. The total dividend payout amounts to ₹1,372.19 crore, reflecting the organization's steady financial performance and its ongoing commitment to shareholder returns.

With this announcement, the total interim dividend for FY 2025–26 stands at ₹2.10 per share, aggregating ₹2,744.39 crore, marking a 31% increase over the previous financial year. As the dedicated financing arm of the railway ecosystem, IRFC's strong financial performance continues to translate into significant returns for the Government of India, its principal shareholder. The total amount received by the Government from IRFC stands at ₹4,679.23 crore, including dividends & proceeds from Offer for Sale (OFS).

- **1st Interim Dividend: ₹1,185.03 crore**
- **2nd Interim Dividend: ₹1,161.56 crore**
- **Amount from OFS: ₹2,332.64 crore**

Scanned with OKEN Scanner

# EASTERN RAILWAY TO INTRODUCE ONE NEW DAILY EMU SERVICE BETWEEN TARAKESWAR & SEORAPHULI

**Source/ER-** In a proactive move to enhance passenger comfort and effectively manage the growing volume of daily commuters, Eastern Railway's Howrah Division has decided to introduce a new daily EMU local service between Tarakeswar and Seoraphuli. This new service is scheduled to be operational from 16.03.2026 and will cater to the needs of the suburban passengers on a daily basis.

In the Down direction, the Tarakeswar – Seoraphuli EMU local will leave Tarakeswar at 10:05 hrs. to reach Seoraphuli by 10:53 hrs. In the UP direction, the Seoraphuli – Tarakeswar local will leave Seoraphuli at 11:04 hrs. to reach Tarakeswar at 11:50 hrs. To ensure maximum benefit for commuters across the section, the train will provide stoppages at all stations enroute. This initiative highlights Eastern Railway's focus on providing a more spacious and convenient travel experience while effectively addressing the peak-hour rush across the division.

# Indian Railways Approves ₹106.29 Crore Project to Strengthen Communication Backbone in Northern Railway's Firozpur Division

**2X48 Optical Fiber Cables to Be Laid Along 945 RKm of Track**

**Source/RSB-** Indian Railways has approved the provision of 2×48 Optical Fiber Cables (OFC) on each side of the track for strengthening the communication backbone over Firozpur Division (945 RKm) of Northern Railway, at a cost of ₹106.29 crore.

The project forms part of the umbrella work for strengthening, repair and replacement of the communication backbone over Indian Railways, approved under the Works Programme 2024–25 with a total cost of ₹4,871 crore under Plan Head (PH)-33. Under this umbrella project, a sub-umbrella work for Northern Railway was approved at a cost of ₹871 crore, under which Northern Railway has proposed the present work. The project will further strengthen the communication infrastructure of Indian Railways and enhance the reliability and efficiency of railway communication systems across the network.

# Hyderabad–Kanniyakumari Special Train Converted into Regular Weekly Express Service

**Source/RSB-** Indian Railway has announced the conversion of the Hyderabad–Kanniyakumari–Hyderabad special train into a regular weekly express service to enhance passenger convenience. The Railway Board has approved the conversion of Train No. 07230/07229 into a regular train service that will now operate as Train No. 17069/17070 Hyderabad–Kanniyakumari–Hyderabad Weekly Express.

According to the announcement, Train No. 17069 Hyderabad–Kanniyakumari Weekly Express will operate every Wednesday starting from April 1, 2026, while Train No. 17070 Kanniyakumari–Hyderabad Weekly Express will run every Friday starting from April 3, 2026.

The train will provide improved connectivity between Telangana and the southernmost region of Tamil Nadu, catering to the travel needs of passengers across multiple states. The service will halt at several important stations en route, including Secunderabad, Guntur, Tirupati, Madurai, and Nagercoil, ensuring convenient access for passengers traveling to major religious, commercial, and tourist destinations.

The train will offer multiple travel classes to accommodate different passenger preferences, including First AC (1AC), Second AC (2AC), Third AC (3AC), Sleeper Class, and General Class.

Railway officials stated that converting the special train into a regular weekly service will provide greater travel certainty for passengers and further strengthen long-distance rail connectivity between Hyderabad and Kanniyakumari. The move is expected to benefit pilgrims, tourists, and regular commuters traveling along this important corridor.

# Railway Protection Force, SCR Organized Special Awareness Programme on Anti-Human Trafficking

**Source/RSB-**The Railway Protection Force (RPF), South Central Railway, Secunderabad organized a Special Awareness Programme on Anti-Human Trafficking in collaboration with the National Commission for Women at Sanchalan Bhavan, Secunderabad on 12thMarch, 2026.

The programme was graced by several distinguished dignitaries Smt. Vijaya Rahatkar, Chairperson, National Commission for Women (NCW), New Delhi, Ms.Aroma Singh Thakur, IG-PCSC/SCR, Shri. Mahesh Bhagwat, Additional Director General of Police (ADGP), Law & Order, Telangana, Smt. Ity Pandey, PCCM/SCR, Shri. Shadan Zeb Khan, DIG-CSC/SCR, Shri. Santhosh Kumar Verma, DRM/HYB; Shri. A.Sanjeeva Rao, ADRM, Secunderabad; Shri. Ramawatar Singh, Dy. Director, NCW, Dr.Sunitha Krishnan, Prajwala, NGO; and Shri A.Venkateswarlu, State Coordinator, Association for Voluntary Action (AVA).

During the programme, the dignitaries delivered insightful addresses highlighting the seriousness of human trafficking, its impact on society, and the critical role of railway stakeholders in its prevention and detection. The resource persons, Shri Mahesh Bhagwat, ADGP/L&O/Telangana and Dr. Sunitha Krishnan, Prajwala, NGO, conducted informative sessions supported by detailed presentations (PPTs) and engaged interactively with the participants, clarifying their queries and sharing practical insights on identifying and responding to trafficking situations.

The programme witnessed participation of about 250 personnel and stakeholders, including officials and staff from RPF, GRP, Ticket Checking staff from Commercial Department, Station Masters and Pointsman from Operating Department and Railway Licensed Porters.

Two interactive sessions were conducted during the programme, one in the forenoon session before lunch and the other in the afternoon session after lunch, covering various aspects of anti-human trafficking awareness, identification of victims, legal provisions, rescue procedures, and inter-agency coordination. The State Coordinator, Association for Voluntary Action, also conducted an activity-cum-interaction session.

The participants actively participated in both the sessions and interacted with the resource persons, making the programme highly engaging and informative. Vote of Thanks delivered by Shri A. Naveen Kumar, DSC/RPF/Secunderabad, followed by the National Anthem.

# State-of-the-art 'Executive Waiting Lounge' inaugurated at Srinagar Railway Station; passengers to experience world-class facilities

**Source/RSB-** Jammu Division of Northern Railway, under the direction of Divisional Railway Manager, Mr. Vivek Kumar, is continuously striving to provide better services to passengers. In continuation of these efforts, a state-of-the-art Executive Waiting Lounge has been inaugurated at Srinagar Railway Station.

This lounge is now fully functional, offering a new and premium 'executive' experience to passengers traveling to the Valley. The lounge has been designed with modern design, comfortable facilities, and airport-style amenities to ensure passengers feel comfortable while waiting for their train. Key amenities include comfortable seating, Wi-Fi, dining options, and a serene environment.

Sr. Divisional Commercial Manager, Jammu Division, Mr. Uchit Singhal, said, "This lounge features modern furnishings and a serene atmosphere, offering passengers an 'executive' experience away from the hustle and bustle of the station. This initiative by the Railways will provide world-class comfort to tourists and local passengers traveling to and from Kashmir while waiting for their trains."

***The lounge's features and rates are as follows:***

- The lounge features 14 recliner sofas, allowing passengers to relax for a mere ₹50 per hour (per person).
- For group or family travelers, 50 two-seater sofa seats are available. The fee is only ₹20 per hour (per person).

# Southern Railway Officials Review Station Development Works at Kumbakonam & Thanjavur

**Source/SR-** Shri Vipin Kumar, AGM/Southern Railway, inspected Kumbakonam Railway Station on 12 March 2026, where he reviewed the proposed redevelopment plans for the station. During the visit, he also assessed the existing passenger amenities and facilities available at the station.

On the same day, Shri Vipin Kumar also inspected the ongoing works under the Amrit Bharat Station Scheme (ABSS) at Thanjavur Railway Station to review the progress of development activities being carried out as part of the station upgradation project. Shri Balak Ram Negi, DRM/TPJ, along with Shri K. Hari Kumar, CPM/GS, and other branch officers were also present during the inspection and reviewed the progress of the works and discussed the implementation of the planned infrastructure improvements.

Scanned with OKEN Scanner

## RailTel has signed a MoU with GAIL (India) Limited to collaborate in key areas of national digital infrastructure.

**Source/RCIL-** RailTel Corporation of India Limited has signed a Memorandum of Understanding (MoU) with GAIL (India) Limited to collaborate in key areas of national digital infrastructure development. The agreement aims to leverage the strengths of both Central Public Sector Enterprises (CPSEs) to support India's rapidly growing digital ecosystem.

Under the MoU, the two organisations will jointly explore opportunities for the mutual utilisation of optical fibre networks, data centres and edge data centres, while also working towards the expansion of telecom infrastructure capabilities across the country.

The collaboration is expected to optimise the use of existing infrastructure and create new opportunities for strengthening high-speed connectivity and digital services. By combining RailTel's expertise in telecom and digital services with GAIL's extensive pipeline and infrastructure network, the partnership aims to enhance the reach and reliability of digital connectivity in various regions.

## WESTERN RAILWAY CROSSES 100 MT FREIGHT LOADING MARK FOR THE FOURTH CONSECUTIVE YEAR

**Source/WR-** Western Railway has achieved a significant milestone by crossing 100 Million Tonnes (MTs) of originating freight loading on 12th March, 2026 for the financial year 2025–26. With this achievement, Western Railway has surpassed the 100 MT freight loading mark for the fourth consecutive year, reaffirming its strong and consistent performance in freight transportation and its important role in supporting the nation's logistics network.

According to a press release issued by Chief Public Relations Officer, Western Railway, Shri Vineet Abhishek, WR has registered impressive growth in several commodities during the current financial year compared to the previous year. Container loading reached 33.66 MTs, registering a growth of over 10%, Fertilizer loading recorded 18.92 MTs, reflecting a significant growth of around 22%. Foodgrain loading reached 1.00 MT, showing a growth of over 28%, while Iron & Steel loading stood at 0.69 MTs with a growth of around 24%, while cement loading was 14.53 MTs with a growth of over 3%. Loading of other commodities also performed strongly at 15.94 MTs, registering a growth of around 10%.

Commodity-wise freight loading during the period April 2025 to 12th March 2026 includes Coal, Fertilizer, Container, POL, Cement, Foodgrains, Iron & Steel and other commodities, taking the total freight loading to 100.02 MTs. During the year, Western Railway also generated new streams of freight traffic in commodities such as Industrial Salt, onion, Automobiles etc. from various locations including Sanosara, Bhimasar, Vartej, Vadodara Marshalling Yard, Kadi, Gandhidham etc. further strengthening Western Railway's freight portfolio.

## Operation Muskaan-14: Mumbai Railway Police Rescue 305 Children at Stations

**Source/RSB-**Railway police in Mumbai have rescued 305 children from railway stations as part of Operation Muskaan-14, a nationwide initiative aimed at tracing missing minors and preventing child trafficking. The operation was carried out over January and February 2026 at several major railway stations in the Mumbai region. According to officials, the rescued minors included runaway children, those reported missing by their families, and others suspected of being vulnerable to exploitation or trafficking. Railway stations often serve as transit points where such children can be identified, making them a key focus for the rescue effort. The operation was conducted by the Government Railway Police (GRP) with assistance from the Railway Protection Force (RPF) and various non-governmental organisations working in child protection. Teams carried out inspections at platforms, waiting areas, trains, and surrounding station premises to identify children who required assistance. Once rescued, the children were taken into protective care and presented before the Child Welfare Committees (CWCs) as required under child protection laws. Authorities then began procedures to locate their families or arrange rehabilitation through recognised institutions where necessary. Officials said initiatives such as Operation Muskaan are crucial for safeguarding children who may be vulnerable in busy transportation hubs. Railway police units across the country conduct such drives periodically to trace missing minors and ensure their safe return or rehabilitation.

## Five New Train Services Launched to Strengthen Rail Connectivity Across Tamil Nadu and Beyond

***Two Amrit Bharat Express, two Express trains and one passenger service introduced to boost long-distance travel, coastal connectivity & regional mobility***

**Source/RSB-** In a significant step towards enhancing rail connectivity between Tamil Nadu and several parts of the country, five new train services were launched, marking a major development in passenger transportation and regional integration. The newly introduced services include two Amrit Bharat Express trains, two Express trains and one passenger service, aimed at improving long-distance travel, strengthening the western coastal corridor and enhancing regional mobility within the state.

**Amrit Bharat Express Services**

Among the services flagged off were two Amrit Bharat Express trains, designed to offer improved passenger comfort and modern amenities at affordable fares. Nagercoil – Charlapalli (Hyderabad) Amrit Bharat Express connects the southernmost region of Tamil Nadu with the rapidly expanding IT and administrative hub of Hyderabad. The service will benefit students, professionals and pilgrims travelling between Tamil Nadu, Andhra Pradesh and Telangana.

Podanur (Coimbatore) – Dhanbad Amrit Bharat Express establishes a long-distance rail link between the textile hub of western Tamil Nadu and the mineral and industrial belt of eastern India, facilitating movement of workers, traders and students between the two regions.

These trains are equipped with modern passenger amenities including ergonomic seating, mobile charging points and improved safety features. The push-pull locomotive configuration ensures better acceleration and a smoother journey experience.

**New Express Services Strengthening Coastal Connectivity**

Two new express services were also launched to strengthen connectivity along the western coastal corridor. Rameswaram – Mangaluru Express connects the sacred pilgrimage centre of Rameswaram on the Bay of Bengal with the port city of Mangaluru on the Arabian Sea. The train will promote tourism and provide seamless travel across Tamil Nadu, Kerala and Karnataka.

Tirunelveli – Mangaluru Express links the southern district of Tirunelveli with coastal Karnataka while providing convenient connectivity through key districts of Kerala. The service will benefit inter-state commuters, students and passengers travelling for specialised healthcare.

**Strengthening Regional Connectivity in the Delta Region**

To improve regional connectivity within Tamil Nadu, the Mayiladuthurai – Thiruvarur – Karaikkudi passenger service was also flagged off. The new service will greatly benefit daily commuters, students and traders in the delta districts by providing an affordable and reliable transport option.

## WESTERN RAILWAY EARNS RECORD ₹1.72 CRORE REVENUE FROM FILM SHOOTING

**Source/WR-** While consistently striving to increase the revenue from passengers & freight business, Western Railway has undertaken several innovative initiatives to boost non-fare revenue. In this direction, Western Railway has created a new benchmark in revenue generation through film shooting during the year 2025–26. During this period up to 15th February, 2026 Western Railway earned highest ever revenue of around ₹1.72 crore from film shootings, which is almost 25% more than previous year. The previous best performance were during 2022–23, when Western Railway earned approximately ₹1.64 crore from film shooting, reflecting steady growth in this segment and placing Western Railway among the leading railway zones in the country in generating such revenue.

According to a press release issued by Chief Public Relations Officer, Western Railway, Shri Vineet Abhishek, various stations, trains and railway premises under Western Railway are made available for shooting of films, television serials, web series and advertisement films. Shooting permissions are granted from time to time for Mail/Express trains as well as suburban local trains. In addition, railway stations, platforms, yards and other railway premises are also made available for shooting, providing filmmakers with realistic and vibrant locations.

Western Railway has simplified and streamlined the process of granting shooting permissions, enabling production houses and filmmakers to obtain necessary approvals in a time-bound manner. Now through a single window system, the production houses have to submit application for shooting and every other railway clearance is managed by PR Department and permission is issued. At the same time, utmost priority is given to safety, operational requirements and passenger convenience while conducting such shooting activities.

It is noteworthy that for the first time, film shooting inside India's most modern and premium train, Vande Bharat, was permitted by Western Railway. This achievement provided the film industry an opportunity to utilize world-class railway infrastructure and highlighted the progressive and innovative approach of Western Railway. Some of the films shot on Western Railway locations include – O Romeo, Fateh, Tera Yaar Hoon Main, Sikandar and Advertisement such as Lizol, Pay TM, Colgate and many more.

Scanned with OKEN Scanner

INDIAN RAILWAY FINANCE CORPORATION
(A NAVRATNA CPSE UNDER MINISTRY OF RAILWAYS)

**Future on Track**

# Powering India's Railway Future: IRFC, Your Trusted Financial Partner

IRFC: Financing the Future of India's Railways

**Explore our diversified lending opportunities**

- Leasing of Rolling Stock and Special Purpose Wagons
- Railway Infrastructure via State JVs & Dedicated Freight Corridors
- High-Speed Rail and Metro Rail Corridors with Transit-Oriented Development
- Multi-Modal Logistics Parks for seamless connectivity
- Renewable Energy for sustainable railway networks
- Public-Private Partnerships & project refinancing in Railways

As a Navratna PSU, Indian Railway Finance Corporation (IRFC) is transforming the railway centric infrastructure landscape by expanding its financing portfolio beyond Indian Railways.

We now partner with central/state governments & quasi-government organizations, CPSEs, State JVs & SPVs to fund novel projects with backward & forward linkages to Indian Railways.

With a whole-of-government approach, IRFC is your strategic partner for building world-class infrastructure. Join us in shaping India's railway ecosystem.

Indian Railway Finance Corporation Limited
UG-Floor, East Tower, NBCC Place, Bhisham Pitamah Marg, Lodhi Rd, Pragati Vihar, New Delhi - 110003
Tel. No. 011-24361480 I Email info@irfc.co.in I www.irfc.co.in

Scanned with OKEN Scanner